वार्षिक पत्रिका-2025 प्रथम संस्करण

अरोहण-2025

इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)
संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र
मगरलोड (पाटन) जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)

आरोहण-2025

वार्षिक पत्रिका-2025 प्रथम संस्करण

" येषां न विद्या न तपो न दानं।
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।।
ते मृत्युलोके भुवि भारभूताः।
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।। "

इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)
संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र
मर्रा (पाटन), जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)

Magazine Committee

Patron:

Dr. Girish Chandel

Hon'bleVice-Chancellor, IGKV, Raipur

Guided by

Dr. Ajay Verma

Dean, SVB College of Agriculture and Research Station,
Marra (Patan), Durg

Editors:

Dr. Vinita Zhodape

Assistant Professor (Crop Physiology), SVB College of Agriculture and Research Station, Marra (Patan), Durg

Dr. Anjali Verma

Assistant Professor (Agricultural Economics), SVB College of Agriculture and Research Station, Marra (Patan), Durg

Dr. Manju Dhruw

Assistant Professor (Agricultural Engineering), SVB College of Agriculture and Research Station, Marra (Patan), Durg

Co-Editor:

Dr. Raina Bajpai

Assistant Professor (Plant Pathology), SVB College of Agriculture and Research Station, Marra (Patan), Durg

संदेश

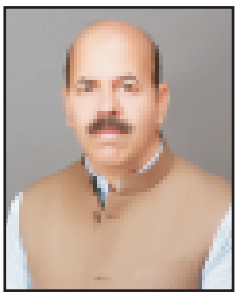

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता है कि संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, मर्रा (पाटन), दुर्ग द्वारा सांस्कृतिक एवं शैक्षिक महत्व से सम्बन्धित वार्षिक पत्रिका **''आरोहण'' 2025** का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पत्रिका में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं एवं अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा कृषि शिक्षा, अनुसंधान, महाविद्यालय की उपलब्धियों, गतिविधियों की जानकारी एवं प्रेरणास्त्रोत विषयक लेख आदि का संग्रहण किया गया हैं। छात्र–छात्राओं में अभिव्यक्ति का कौशल विकसित करने के लिए ऐसी पत्रिकाएं महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं।

''आरोहण'' जैसी सृजनात्मक एवं शैक्षिक दृष्टि से समृद्ध वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन केवल एक दस्तावेज नहीं अपितु महाविद्यालय की वैचारिक ऊर्जा तथा भविष्यदृष्टि का प्रतिबिम्ब है। पत्रिका के माध्यम से महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु ज्ञान, संस्कार तथा वैज्ञानिक चेतना का जो समन्वित सेतु निर्मित कर रहा है, वह निश्चय ही अनुकरणीय और प्रशंसनीय है।

अतः इस पत्रिका के प्रकाशन की मैं सराहना करता हूँ। साथ ही सम्पूर्ण संपादकीय टीम एवं महाविद्यालय को इस उत्कृष्ट अकादमिक पहल के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ तथा आशा करता हूँ कि यह पत्रिका नव–विचार, नव–संकल्प और नव–दृष्टिकोण के संवहन का प्रेरणास्रोत बनेगी।

डॉ. गिरीश चंदेल
कुलपति
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय,
रायपुर (छ.ग.)

अधिष्ठाता की कलम से.....

हम सभी के लिए गर्व और आनंद का विषय है कि मुझे महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन करने का अवसर मिल रहा है। वार्षिक पत्रिका केवल एक पत्रिका मात्र नहीं, बल्कि हमारे विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास, उनकी रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता एवं उत्कृष्ट उपलब्धियों को एक मंच प्रदान करने का अवसर है। यह मंच हमें अपने विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। यह वर्ष चुनौतियों और सफलता की एक ऐसी कहानी है, जो यह साबित करता है कि संकल्प और कड़ी मेहनत सफलता के स्तंभ हैं।

संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, मर्रा (पाटन) की स्थापना वर्ष 2019 में हुई थी, और तब से यह संस्थान निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। जब हमने अपनी यात्रा प्रारंभ की, तब केवल 25 छात्र–छात्राओं ने बी.एस.सी. (कृषि) पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय के पास 34.80 हेक्टेयर भूमि है, जिसमें से 6 हेक्टेयर क्षेत्र में महाविद्यालय परिसर, टिशू कल्चर लैब, किसान छात्रावास एवं अन्य अधोसंरचनाएं स्थित हैं। शेष 28 हेक्टेयर भूमि अनुसंधान फार्म के रूप में विकसित की गई है, जहां धान, सोयाबीन, सरसों, कुसुम एवं अन्य फसलों पर अनुसंधान कार्य चल रहा है।

हमारा महाविद्यालय आधुनिक तकनीक एवं व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सभी कक्षाओं में महाविद्यालय के प्रारंभ से ही इंटरएक्टिव पैनल बोर्ड्स की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे छात्रों को डिजिटल लर्निंग का लाभ मिल रहा है। हमारी लैब सुविधाओं का विस्तार ICAR के मानकों के अनुरूप किया गया है, जिससे छात्रों को उन्नत प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्राप्त हो रहा है। डिजिटल लाइब्रेरी और कंपटीटिव रेडीनेस सेंटर की स्थापना से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा में सहायता मिल रही है।

हमारे छात्र–छात्राएं शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। East Zone Inter College Sports Competition 2024–25 में हमारे विद्यार्थियों ने कबड्डी (छात्र), शॉर्ट पुट (छात्रा) एवं 1500 मीटर दौड़ (छात्रा) में स्वर्ण पदक तथा 800 मीटर दौड़ (छात्रा), वॉलीबॉल (छात्रा), टेबल टेनिस (छात्रा) एवं बैडमिंटन (छात्र एवं छात्रा) में सिंगल एवं डबल मुकाबले में रजत पदक जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। Inter Zonal University Level प्रतियोगिता में हमारे चार छात्रों का चयन हुआ, जो हमारी खेल प्रतिभा का प्रमाण है। यूथ फेस्टिवल (मड़ई 2024–25) में 25 छात्रों ने भाग लिया और 02 स्वर्ण एवं 05 रजत पदक प्राप्त किए, जो हमारी सांस्कृतिक गतिविधियों की उन्नति को दर्शाता है।

हमारा महाविद्यालय केवल शिक्षा और खेलों में ही नहीं, बल्कि सामाजिक सेवा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत ग्राम बोंदल को गोद लिया गया, जहां विभिन्न विकास एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अंतर्गत, ग्रामीणों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा एवं सतत विकास से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया।

RAWE कार्यक्रम के तहत मटंग गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिससे ग्रामीण समुदाय में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को बढ़ावा मिला। इसके अलावा, संविधान दिवस, मृदा स्वास्थ्य दिवस, एड्स दिवस एवं नशा मुक्ति अभियान के अवसर पर छात्र–छात्राओं ने विभिन्न जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक संचालित किए।

प्रिय छात्र–छात्राओं, यह केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है, जो हमें सतत विकास की ओर बढ़ने की दिशा दिखाती है। हमारा महाविद्यालय केवल अकादमिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं, बल्कि छात्रों को एक योग्य, कुशल एवं आत्मनिर्भर नागरिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले वर्षों में हम और अधिक आधुनिक सुविधाएं विकसित करेंगे, अनुसंधान को बढ़ावा देंगे और छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करने का निरंतर प्रयास करेंगे।

अंत में, मैं हर विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने पत्रिका को सफल बनाने में योगदान दिया। हम सब मिलकर इस यात्रा को शिक्षा, विकास और प्रगति की दिशा में जारी रखेंगे।

संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, मर्रा (पाटन) के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ, सभी को हार्दिक शुभकामनायें।

– डॉ. अजय वर्मा

अधिष्ठाता

सम्पादक की कलम से.....

विदित हो कि हर वर्ष की तरह वर्ष 2025 की महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका आपके हाथों में है। यह केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक अभिव्यक्ति, सृजनात्मकता और सोच की झलक है। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और सहयोगियों की भावनाएँ, अनुभव, लेखनी और कल्पनाशीलता समाहित है।

आज जब शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहीं। तब ऐसे रचनात्मक माध्यम छात्रों के बहुआयामी विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह पत्रिका विद्यार्थियों की लेखन क्षमता, कलात्मक अभिव्यक्ति और विचारों की स्पष्टता को मंच प्रदान करती है।

इस अंक में आपको कहानियाँ, कविताएँ, लेख, चित्रकला, निबंध और तकनीकी ज्ञान से भरपूर सामग्री मिलेगी। यह प्रयास विद्यार्थियों की प्रतिभा को उजागर करने के साथ–साथ दूसरों को भी प्रेरित करने का माध्यम बने, यही हमारा उद्देश्य है।

मैं अपने सभी लेखकों, संपादन दल और मार्गदर्शकों को हार्दिक बधाई और धन्यवाद देती हूँ, जिनके सहयोग और परिश्रम से यह अंक संभव हो सका। आशा है कि आप सभी को यह अंक पसंद आएगा और यह आपके मन को छूने के साथ–साथ सोचने पर भी प्रेरित करेगा।

सभी संबंधित महानुभावों को विनम्रतापूर्वक हार्दिक आभार।

– डॉ. विनिता झोड़ापे

सहायक प्राध्यापक

Dr. Ajay Verma
Dean

Dr. Chainu Ram Netam
Professor
(Agronomy)

Dr. Om Prakash Parganiya
Professor
(Agriculture Extension)

Dr. Sushila
Assistant Professor
(Agricultural Economics)

Er. K.K. S. Mahilang
Assistant Professor
(Agricultural Engineering Fmpe)

Dr. Mohanisha Singh Rajput
Assistant Professor
(Entomology)

Dr. Neetu Swarnakar
Assistant Professor
(Agronomy)

Dr. Madhulika Singh
Assistant Professor
(Agronomy)

Dr. Anjali Verma
Assistant Professor
(Agricultural Economics)

Dr. Ashish Kumar Tiwari
Assistant Professor
(Genetics & Plant Breeding)

Dr. Kiran Kumar Nagraj
Assistant Professor
(Horticulture)

Dr. Vinita Zhodape
Assistant Professor
(Crop Physiology)

Dr. Tripti Thakur
Assistant Professor
(Soil Science)

Dr. Raina Bajpai
Assistant Professor
(Plant Pathology)

Dr. Poonam Kumari
Assistant Professor
(Microbiology)

Dr. Manju Dhruw
Assistant Professor
(Ag. Engineering SWCE)

Smt. Mary Suchita Xalxo
Assistant Professor
(Biotechnology)

Shri Praveen Sahu
Assistant Librarian

Shri Lukesh K. Mahanand
Assistant Grade-I

Shri Tarun Chandrakar
Field Extension Officer

Smt. Geetika Piyush
Computer Operator

Smt. Khileshwari Sahu
Lab Technician

Shri Suresh K. Lokhande
Driver

STUDENT'S UNION (2024-25)

AMAN KURRE
PRESIDENT

SAHIL SAHU
VICE - PRESIDENT

LEENA SAHU
SECRETARY

SHIV PRASAD
JOIN SECRETARY

YAMUNA
C.R. (I YEAR)

PALLAVI
C. R. (II YEAR)

HARSHITA CHANDRAKAR
C. R. (III YEAR)

SAVITA NISHAD
C. R. (IV YEAR)

About SVB CARS, Marra (Patan)

Sant Vinoba Bhave College of Agriculture and Research Station (SVB CARS) is situated at Village – Marra, Block – Patan, Distt. – Durg (C.G.). Itis an agricultural education and research institution affiliated with Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya (IGKV), Raipur. It was established on 04th July 2019.It is almost equidistance from two important cities of Chhattisgarh namely Raipur (40 kms) and Durg (30 kms). Dr. Ajay Verma is founder dean of this college and have successively led the institution.The campus provides congenial environment for studies. SVB CARS, Marra follows a holistic approach for the development of the agriculture by integrating teaching, research and extension activities and assumes specific responsibility for improvement of rural life in totality. Admission to undergraduate programme is carried out though Pre-Agriculture Test (PAT) conducted by "CGVYAPAM" of the State Government. The total intake capacity for the UG programme is 61. The objective is to forge ahead in teaching, research and extension services in agriculture and allied field. The centre intends to strengthen contemporary knowledge of agricultural science and develop strong and efficient manpower that would cater the needs of rural areas.

Programmes at a Glance-: Under Graduate Degree only

SVB CARS Marra is offering a four years undergraduate degree programme of B. Sc. (Hons.) Ag. since 2019-20. Currently, total intake capacity of under graduate degree programme is 61 students.

- College has complete infrastructures related to teaching, research, sports, recreation, cultural,accommodation of students in premises and other activities.
- College also has a playground, indoor gym, canteen and health clinic facilities for students.
- Currently five experiential learning projects (ELPs) are running in the College.
- Library is equipped with Wi-fi and computer facility. There are more than 4000 books and several online books are available for the students. Several library software and links like Kopykitab, Online Journals, Access from CeRA available for all students.
- It hosts events such as National Service Scheme (NSS) camps, agricultural exhibitions, and cultural celebrations like Ganesh Visarjan etc. These activities aim to enrich students' educational experiences and foster a sense of community.

The Mandates-

- To serve as a centre of excellence in teaching, research and extension.
- To mentor academic human resource to grab global opportunities.
- To conduct research on quality seed production and saplings production of Fruit/ Horticultural crops.
- Develop skilled professionals equipped to address agricultural challenges and contribute to rural development.
- To conduct site specific research on varietal development, identification of new genotypes for the region, research on pulses, oilseeds, cereals, vegetable crops etc.
- Transfer of technology to farmers and extension personnel engaged in agricultural development through various extension programmes.

Degree Programme & Seats

	Sanctioned (Approved) Intake (48+02 (PH Seat) + 01 (Naxal Affected) + 10 (SFS) = 61					
Academic Year	2024-25	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
UG 4 Years Program(s)	61	61	61	61	51	25

Faculty Strength:

The faculty assigned the responsibilities for the multiple programmes like Teaching, Research and Extension. Faculties posted under teaching programme spare maximum time for teaching. They have been assigned to take theory and practical classes. Therefore, they are able to manage maximum time for class lectures. Apart from this, faculties are also involved in other additional duties like examination, student advisor, I/c Academic,I/c Exam, I/c Security, I/c Laboratory, I/c Sports, I/c Cultural, , I/c NSS, I/c LAN/ Server etc. Besides, faculties are also engaged in conduction of various research trials *viz*; MLTs, breeder/ foundation under seed production. The strength of faculties are as follows:

Table: Present faculty status:

S. No.	Faculty Position	Sanctioned	Filled	Vacant	As per ICAR Model Act
1.	Professors/Dean[a]	01[a]	01[a]	00	00
2.	Associate Professors	02	02[bc]	00	08
3.	Assistant Professors	13[de]	13	0	15
	Total	**16**	**16**	**00**	**23**

a. Senior Professor officiating as In-charge Dean by the University
b. Professor posted against the post of Associate Professor
c. One Assistant Professor (Agril. Economics) posted against the post of Associate Professor.
d. University has sanctioned one post of Biotechnology which is not mentioned in Model Act.
e. University has sanctioned one post of Microbiology which is not mentioned in Model Act.

Implementation of UG Academic Management System forMajor Academic Activities

Streamlining essential academic operations within our institution through the Undergraduate (UG) Academic Management System Compliance with Vishwavidyalaya guidelines.

Academic Activities:

- ✓ **Course Management:** Efficiently handled via Management Information System (MIS).
- ✓ **Attendance:** Manually recorded by course teachers and monthly attendance is submitted to academic section.
- ✓ **Examinations:** Timely Mid-term, Final Practical, and Theory Exams.
- ✓ **Student Records:** Supervised by Academic In-charge and Assistant.

New Facilities:

- ✓ **Student Grading System:** Student progress monthly evaluated through objective test.
- ✓ **ICT Lab/Wi-fi Campus:** Providing extensive academic resources.
- ✓ **Competition Readiness Centre (CRC):** Divided into three groups catering to student is' interests.
- ✓ **Student Forum/Community Sale Counter:** Managed by students under college supervision.
- ✓ **Smart Classes:** All the classes are fitted with IFP panel, proper sound system and connectivity with lane and Wi-Fi.
- ✓ **Library:** Digital library with vast offline and online resources.

Additional Initiatives:

- ✓ **WhatsApp Group (Student & their Guardians):** Facilitating quick communication of college activities.
- ✓ **E-Learning Lab:** Video lecture series and notes accessible on the college as well as library website.
- ✓ **Knowledge Studio:** Developing a studio for production of quality lecture videos.
- ✓ **Blended Learning:** Classroom teaching as well as e-learning contents are providing to the students.
- ✓ **Language Laboratory:**

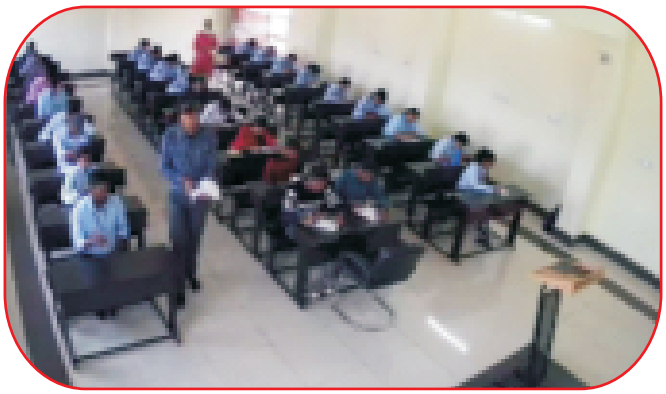

Laboratory

Agricultural Engineering Lab:

- ➢ Hands-on exploration of models adhering to ICAR norms for understanding agricultural engineering principles.
- ➢ It has models related to all disciplines of agriculture engineering such as FMPE, SWCE, R.E. & APFE etc.
- ➢ Models prepared by students are also exhibited, covering nearly all subjects of the B.Sc. (Hons.) Ag. program.

Soil Science and Agriculture Chemistry Lab:

- ➢ Determination of pH, EC, soil organic carbon, soil texture, bulk density etc.
- ➢ Soil testing of primary nutrients (P & K) and secondary nutrients.
- ➢ Rocks and Minerals are exhibited for its Identification.

Genetics and Plant Breeding & Biotechnology Lab:

- Equipment installed in order to develop virus indexing facility.
- Established as per norms of ICAR Accreditation.
- Facilities for Plant Genetics breeding methods, seed physical purity test and seed moisture test.

Agronomy Lab:

- Seed Museum in which different cultivators of crops are exhibited.
- Hands-on exploration of models adhering to ICAR norms for understanding agronomy principles.
- Various farm implements and their miniature are exhibited.

Entomology Lab:

- Focuses on insect study and management strategies, pivotal for integrated pest management practices in agriculture.
- Maintains a collection of different beneficial and harmful insects for identification.
- Facilities include slide preparation and dissection of different insect samples for morphological study of insects.

Horticulture Lab:

- Post-harvest management of fruits and vegetables.
- Well established lab for preparation of different types of value-added products of horticultural crops.
- Different seed samples and horticultural tools for identification of the students.
- Exhibition of models of horticultural technologies.

Plant Pathology Lab:

- Spawn production unit.
- Mother spawn production unit.
- Lab equipment like Hot air oven, Autoclave, Laminar air flow, B.O.D. Incubator etc. available.
- Specimen preservation.
- Disease Identification and diagnosis tools.
- Media preparation for growing of microorganisms (Fungi and Bacteria)

Agril. Economics and Agril. Extension Lab:

- ICT Lab with video-conferencing
- Seminar Hall and Conference Halls with Audio- Visual Facilities.
- Exhibition Hall including ITK and modern agricultural technologies.
- English language laboratory software is available in the ICT Lab which is designed to facilitate English learning through interactive and immersive experiences.This platform enhances language proficiency.

Soil science and Agricultural Chemistry lab

ICT Lab

Plant Pathology lab

Genetics and Plant Breeding cum Biotechnology lab

Genetics and Plant Breeding cum Biotechnology lab

Entomology lab

Agronomy Lab

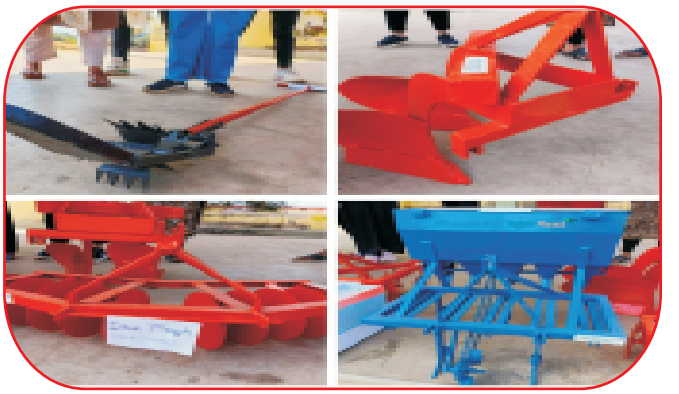

Engineering lab

Monitoring Mechanism for Quality Education

- College campus is fully covered by CCTV Cameras.
- The college campus is under constant surveillance with strategically placed CCTV cameras covering entrances, parking lots, corridors, classrooms, labs and outdoor areas.
- This system operates 24/7, enhancing security.
- Access to the footage is to the Dean of this College.
- Consistent monitoring by Dean in on/off time of college through mobile access.

- **IQAC** has to be constituted by approval of VV.
- All the academic activities are **monitored through WhatsApp group** created for each class

Examination Halls

No. of Exam Halls: 02, Each with 50 Seats Capacity, Size – 13 mt. x 6.5 mt.

- Our college has two examination halls with 50 seats capacity where we conduct **final theory and practical examinations**.
- These halls are equipped with **comfortable seating arrangements and spacious desks** to ensure students have adequate space and comfort during exams.
- Additionally, the halls are **well-lit and ventilated** to provide a conducive environment for exams.
- To maintain integrity and prevent unfair means, **CCTV surveillance** is also implemented in these halls.
- **Safety measures installed in examination halls** to ensure student well-being during exams.
- **Regular maintenance and cleaning of examination halls** to uphold a professional and conducive atmosphere for academic assessments.

College Library (Digital):

The College library is well-equipped with a vast collection of print books, periodicals, and other e-resources. The library is fully automated with Koha 22.05.03 ILMS Open-Source Software. Users can access e-resources through Consortium for e-Resources in Agriculture (CeRA) through J-Gate Next under IP authentication. The library is a member of National Digital Library. The library primarily focuses on providing documents related to Agriculture, Horticulture, allied sciences, and general resources to support educational and research development activities. Users can search the collection and access information through the Online Public Access Catalogue (OPAC) facility. The library also offers access to over 1600 e-books and around 2967 journals in full text form through the e-platform. Additionally, users can access e-resources and other learning materials through the IGKV-Knimbus remote access platform.

Present Status of Library

S.No.	Items /Resources	Status/Facilities
01	Availability of Wi-Fi	Yes
02	Total Nos. of Printed books	1310
03	Total Nos. of ICAR Periodicals Subscribed	05
04	Total Nos. of Agriculture related magazine	03
05	Total Nos of e-books Accessed in IGKV remote access	More than 1600
06	Access of e-journals /e-Resources through IP authentication through CeRA	2967
07	Internet Facilities	Yes
08	Computer Available for server	1
09	Computer Available for Users Node	1
10	Kiosk System	Nil
11	Heavy duty Photocopiers	Nil
12	CCTV Monitoring system for library	Yes
13	RFID & Access control system	Nil

14	Broadband Internet Connectivity with Speed of 1 Gbps	Yes
15	Library Automation done	Yes
16	Integrated Library Management Software Used	Koha version: 22.05.03.000
17	Seating capacity	40
18	Employing the latest technology in library sciences, stocking arrangements	Koha enabled Barcode technology
19	User services through computer	OPEC, DDS, Suggestion management, Instant messaging, IN-Out Management, Reference Services, CAS, access of e-books in computer node, Wi-Fi Zone etc,
20	Opening hours	10.00 AM to 5:30 PM

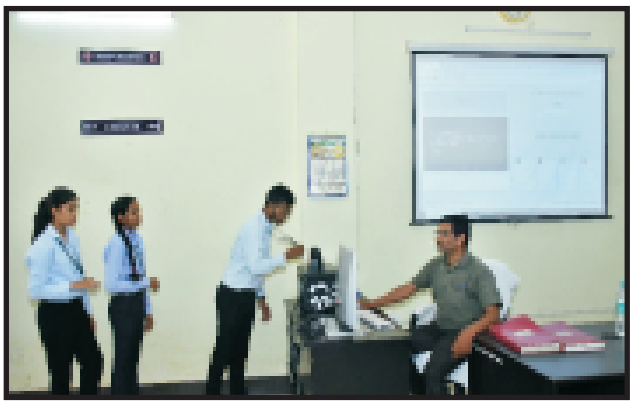

View of College Library and Information services

Biological Waste Disposal Facility

Overview: - State of the art facility converting waste from college premises and farms into valuable resources.

Waste Collection: - Two dedicated rickshaws collect waste from college buildings, tissue culture lab, and farms.

Generation of Waste and its Disposal:

- Lab waste, including chemicals, is properly disposed of in designated pits.
- Farm waste, such as crop residues and food waste are transformed into manure using culture, decomposers, and NADEP and vermi-composting technology.
- Composting is done using 4 vermi-composting beds and another 20 tanks are under construction.

Benefits: - Enhances plant growth and soil fertility Reduces landfill waste, promoting environmental sustainability. - Supports a healthy and eco-friendly campus.

Green Initiative

Planting of Trees:

- Trees are planted in various locations around the college campus, including the periphery of buildings, hostels, tissue culture lab, ponds, road sides and instructional farm as well as hi-tech nursery.
- This initiative aims to create a greener, healthier, and more sustainable environment within the college premises.

MNREGA Project:

- Our college has been working on the MNREGA project with financial outlay of Rs. 50.00 lakh. Under this project **50,000 high-quality fruit plants** will be produces and **distributed** within three years among **Panchayats** of Durg district.

Through Awareness:

- To foster a greener environment, we conduct various awareness programs, celebrate festivals like Akti Tihar and Environment Day, organize **NSS** Special Camps, One-Day Camps, and plant trees through **RAWE** initiatives.

One Student, One Plant Initiative

A new initiative has been by the college encouraging each student to plant at least one tree & take care of their plant until the completion of their degree program.

Irrigation Facility:

S. No	Area(ha)						
	Area Under cultivation					Area under building/bund/road/pond /nala/wasteland etc.	Total area of Farm
	Seed under cultivation		Horticulture	Res/Demo	Total		
	Irrigated	Rainfed	Irrigated				
	9.0	3.2	2.08	0.80	15.08	13.18	**28.26**

Horticultural Facility:

Farm is facilitated with working area, 1Vermi-composting unit with 20 tanks, 2 insect proof net houses ,1 shed net house, 1 mist chamber.

Mother orchard (5.20 ha) - Coconut- 1(Tall variety), Mango (11 varieties), Dragon fruit (2 varieties), Guava (3 varieties), Bael (2 varieties), Anar (1 variety), Jamun (1 variety), Drumstick (2 varieties), Sita phal (2 varieties) Sapota (1 variety) , Lime (1 variety), Sweet orange (1 variety), Mandarin (1 variety), Pumelo (1 variety)

Seasonal vegetable crops – Okra, Cowpea, Tomato, Brinjal, Sponge Gourd, Bottle Gourd, Cucumber, Cabbage, Cauliflower etc.

Mango

Banana

Anti Ragging Committee and Anti Ragging Squad

- The members are selected from technical staff including police officer, reporter and student representative.
- The committee operates in accordance with UGC & V.V. rules and regulations.
- The Anti-Ragging Cell and Squad at our college enforce strict policies to prevent and address ragging incidents.
- The Cell focuses on resolving issues promptly and efficiently, while the Squad supervises campus areas to prevent ragging.
- They conduct awareness campaigns, support victims, and maintain confidentiality. - A structured committee oversees their operations, ensuring transparency and accountability.

Committee for Prevention of sexual harassment of women on work places

- The members are selected from both technical and non-technical staff.
- The committee operates in accordance with V.V. rules and regulations.
- Its primary objective is to create a safe and respectful environment for all individuals within the organization, with a specific focus on addressing the unique challenges faced by women.
- The committee works to prevent and address incidents of sexual harassment, provide support to survivors, and promote a culture of dignity, equality, and mutual respect in the workplace.

Achievements of SVB CARS, Marra (Patan) during Session 2024-25

Research Projects

Tissue Culture Lab

- Start Functioning in the Year: 2022
- Funding Agency: NHM (MIDH), Fund – Rs. 250.00 Lakh
- Amount Received from DRS, IGKV, Raipur –Rs. 237.50 Lakh
- Revolving fund started from April 2023 with Amount Rs. 15.00 Lakh
- 70000 plants of Banana (G-9) and 40000 plants of Sugarcane (VSI 8005, CJ 085) has been produced and sold in year 2024.

Tissue culture lab

Hi-tech Nursery

- Start Functioning in the Year: 2021.
- Funding Agency – NHM (MIDH), Fund – Rs. 100 Lakh.
- Amount Received from DRS, IGKV, Raipur – 50 Lakh (2021-22) + 50 Lakh (2022-23)
- Revolving fund started from April 2023 with Amount 12.00 Lakh.
- Income from Hi-tech nursery till date: 3,27,358.00.
- Present status of Revolving fund till date: 11,08,000.00.
- 8.5 q. of Coriander, Breeder to Foundation seed, produced which has been sold in rabi 2024.

Hi- Tech Nursery

Co-curricular and Extracurricular Achievements

Sports Facilities:

- Indoor games like Badminton, TT, Carrom, Chess etc.
- Outdoor games like Kabaddi, Kho-Kho, Volleyball, Athletics etc.
- Mini stadium with all indoor and outdoor sports facilities is under construction just next to college premises.
- Sports club of interested students in sports activities.

Participation of students in sports events:

- Inter-Class sports competition at College level
- Inter-College sports competition at Zone level
- Inter-Zonal sports competition
- Sport club of interested students in sports activities.

Achievements in Sports Events:

East Zone Inter College Sports Competition at IGKV Raipur

Date : 11-13 November, 2024

S.No.	Sports	WinnerName	
Gold Medal			
1	Kabaddi (Boys)	Chain Singh	Likesh
		Kewal Parkar	Shivam
		Jeetu	Pritam
		Deepak	Dinesh
		Kunal	
2	1500MRace (Girls)	Khemlata Mandavi	
3	Shotput (Girls)	Naina Ekka	
Silver Medal			
1	Volleyball (Girls)	Naina Ekka	Renuka
		Prachi	Arshi
		Muskan	Kanishka
		Ayushi	
2	TableTennis (Girls)	Single- Prachi	
		Double-Prachi,Naina	
3	Badminton (Girls)	Single- Savita	
		Double-Savita, Shruti	
4	Badminton (Boys)	Single- Chandan	
		Double-Chandan, Shresth	
5	Discussthrow (Girls)	Naina Ekka	
6	800M Race	Khemlata Mandavi	

Inter Zonal (University Level) Sports Competition at IGKV, Raipur, Date: 23 -28 November, 2024

1	Chain Singh	3	Naina Ekka
2	Kewal Parkar	4	Khemlata Mandavi

Cultural Facilities:

- Open auditorium available for different cultural activities.
- Cultural hall for cultural practice like Dance, Drama, Mime, Musical events etc.
- Cultural instruments like Mandar, Tabla, Dholak, Jhanch, Manjira for Singing, drama and other cultural activities.
- Sound system with high-capacity sound box for different cultural activities.
- CG costume like Sharee, Dhoti, Kurti etc.
- Cultural club of interested students in cultural activities.

Participation of Students in Cultural Events:

- College team for Youth Festival is formed through competition among students.
- Participation in Inter College Youth Festival at University level
- Selected students participate in national level cultural events.

YouthFestival(Madai2024-25)
Date - 19-22 December 2024

S.No.	**Sports**	**Winner Name** (Gold Medal)
1	Mehendi	Pranjali Tamrakar
2	Poster Making	Leena Sahu
Silver Medal		
1	Debate	Ankit Jaiswal
2	Quiz	Sahil Sahu
		Ankit Jaiswal
3	Western Group Song	Shreya
		Sanchita
4	Solo Western Song	Shreya
5	Mimicry	Vedant Verma

Major Initiatives Taken by College – NEP 2020

Local Chapter in NPTEL

Our college is becoming a local chapter in NPTEL seeing to the implementation of NEP, 2020 is benefitting students in following ways:

- ✓ SPOC
- ✓ Access to High-Quality Courses
- ✓ Certification and Skill Validation
- ✓ Diverse Learning Opportunities
- ✓ Collaboration and Networking
- ✓ Global Competitiveness

- **Experiential Learning Programs (ELP):** The college has initiated ELPs in various areas such as Fresh Mushroom and Mushroom Spawn cultivation, Fruit and Vegetable Processing, and Composting. Under the guidance of professors, students are actively involved in these programs, gaining practical experience and earning some profits. Regular records are maintained to track progress and outcomes.
- **Exhibition Hall:** The Exhibition Hall showcases Indigenous Technical Knowledge (ITKs) and modern technologies practiced in Indian agriculture. Students and faculty demonstrate innovative agricultural practices and technologies, fostering knowledge exchange and awareness among the community.
- **Competitive Readiness Centre (CRC):** The Competitive Readiness Centre serves as a hub for student comfort and productivity; it provides platform to the students for preparation of competitive exams. Divided into three groups based on student's interest, career counselling programme is organised to motivate the students.
- **Welfare Fund & Community Sale Centre:** These both are the initiative of student's union of college. One fund is created by the students depositing Rs. 50/- by each student per month. At the Community Sale Centre, union sale daily need items in cheaper rates making some profit as well as items produced through Experiential Learning Program (ELP) are also sold. This initiative not only empowers students with entrepreneurial skills but also promotes self-sufficiency and sustainability.
- **ICT Lab/Knowledge Studio:** The college is on its way to establishing one ICT/e-learning Lab. This ICT Lab will be well equipped with modern technology and resources to support digital learning. It serves as a platform for students to access online educational materials, conduct research, and enhance their technological skills.
- **Yog Vatika:** Yog Vatika at our college provides a tranquil space for students and faculty to practice yoga, meditation, and mindfulness techniques, fostering holistic wellness. Sessions are held Monday to Saturday from 7:00 am to 7:50 am, offering participants a dedicated time to enhance physical fitness and mental well-being.

NSS Unit at College:

- ➢ Open auditorium available for different cultural activities.
- ➢ Cultural hall for cultural practice like Dance, Drama, Mime, Musical events etc.
- ➢ Cultural instruments like Mandar, Tabla, Dholak, Jhanch, Manjira for singing, drama and other cultural activities.
- ➢ Sound system with high-capacity sound box for different cultural activities
- ➢ CG costume like Sharee, Dhoti, Kurti etc.
- ➢ Cultural club of interested students in cultural activities.

Major Activities Under NSS:

- College team for Youth Festival is formed through competition among students.
- Participation in Inter College Youth Festival at University level
- Selected students participate in national level cultural events.

Annual Function 2025

Annual day celebration named "AAROHAN 2025" was celebrated on 22 march 2025. It was a memorable day filled with cultural performances, celebrations, and student participation.

Conduction of Practical at College's Farm.

Conducting practical in an agricultural field involves hands on experience in various agricultural techniques, aiming to enhance student understanding and skill development in practical applications. The objectives of such practicals include acquiring skills in different techniques, from basic farming practices to advance techniques.

Educational Tour: Visits to Various Institutes

As part of our academic enrichment program, students embarked on an educational tour visiting several esteemed institutes across the region.The primary objective was to provide students with practical exposure to real-world applications of their studies and to inspire them through first hand experiences.

Visit to Agri-Carnival

Students of SVB CARS, Marra have visited 4 days Agri-carnival held at IGKV, Raipur from 22nd -25th October, 2024. It was a landmark event that brought together students, farmers, and experts to explore the future of agriculture.The carnival attracted over 25,000 farmers and 3,000 students from across Chhattisgarh

The Agri Carnival 2024 served as a dynamic platform for students to engage with the agricultural sector, fostering a deeper understanding of its challenges and innovations.It also provided valuable networking opportunities, bridging the gap between academia, industry and farming communities.

Various activities performed during Student READY Programme

Students of 4th year conducted Participatory Rural Appraisal (PRA) assessed village resources, infrastructure, and socio-economic conditions using methods such as transect walks, key informant interviews, and mapping exercises.

They performed Soil Testing and Crop Management activities, Extension Activities like awareness campaigns and training sessions on topics like integrated pest management, organic farming and water conservation. Students explored opportunities for rural entrepreneurship, such as setting up agro-based enterprises or value-added product units, fostering innovation and self-reliance within the community.Students maintained detailed records of their activities, including observations, data collection, and outcomes.This documentation not only aids in academic assessment but also contributes to the village's development planning.

Demonstration of Implements at Adopted Village

Demonstration of various farm implements under 4th year READY Programme at Village -Matang , Block-Patan, Durg -District. How these implements are useful for Agriculture practices on different soil types, uses of seeddrill / seed cum fertilizer drill for cultivation practices for different crops. Preparation of field before sowing with different implements. As we know due to water scarcity farmer are facing various problem so students of 4th year are explained how to over come with these problems with the help of live model of water harvesting structure .

Visit to Agro-industries during Student's READY Programme

The students, accompanied by faculty members, visited local agro industries to gain practical exposure to modern agricultural practices, processing techniques, and the functioning of agro-based enterprises.

Student's Participation in Poshan Pakhwada Activities

As part of the nationwide celebration of **Poshan Pakhwada**, students actively engaged in a series of awareness and health-promoting activities aimed at fostering better nutritional habits and a healthier lifestyle.These activities helped inculcate the values of good nutrition, personal hygiene, and community health awareness among the students, aligning with the goals of **Poshan Pakhwada 2025.**

Celebration of AktiTihaar at College's farm

The**students of college** joyfully celebrated **AktiTihaar (Akshaya Tritiya)** with enthusiasm and cultural pride, emphasizing the importance of traditional farming rituals and sustainable agriculture practices. As part of agricultural tradition, a symbolic **sowing of seeds** was conducted to mark the beginning of the new cropping season. This ceremony highlighted the deep-rooted cultural connection between farming and festivals in India.

Lectures by Subject specialist on Kisan Mela

The faculty members of the college delivered an insightful lecture on the importance of not cultivating paddy in rabi season, emphasizing its crucial role in conserving groundwater levels and promoting sustainable agricultural practices in the region basically Durg District of Chhattisgarh.

Visit of Directorate of Instruction college during examination

The **Directorate of Instruction**s visited our college to assess the successful conduction of first semester examinations held in College.This visit was part of the routine inspection process to ensure that academic programs are executed effectively and in alignment with institutional standards.

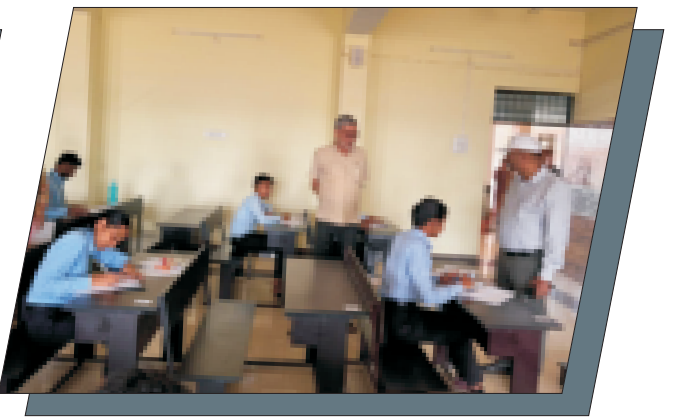

Village attachment during RAWE Programme

During the village attachment, students typically engage in the following activities:

- **Village Profiling**: Collect data on demographics, infrastructure, land use, and available resources to create a comprehensive village profile.
- **Farm Surveys**: Conduct detailed surveys of individual farms to understand cropping patterns, input usage, yield levels, and economic viability.
- **Soil and Water Testing**: Assist in collecting soil and water samples for analysis, aiding in the recommendation of appropriate crop and nutrient management practices.
- **Demonstrations and Trainings**: Organize and participate in demonstrations of improved agricultural techniques and technologies to educate and benefit the farming community.
- **Extension Activities**: Facilitate knowledge transfer through farmer meetings, workshops, and dissemination of informational materials on best practices.

Examination of RAWE Programme

The examination aims to evaluate student's comprehension of rural agricultural systems, their ability to identify and analyse farming challenges, and their effectiveness in engaging with the community.

The examination provides a comprehensive assessment of the student's practical skills, understanding of rural agricultural dynamics, and readiness to contribute effectively to the agricultural sector.

Activities Undertaken During KVK Attachment

During the KVK attachment phase, students engage in a variety of hands-on activities aimed at bridging the gap between theoretical knowledge and practical application:

- **Participating in Demonstrations**: Students assist in organizing and conducting demonstrations on improved agricultural practices and technologies.
- **Extension Activities**: Engagement in farmer training programs, workshops, and field days to understand the dynamics of technology transfer.
- **Soil and Water Testing**: Learning the procedures and importance of soil and water analysis for recommending appropriate crop management practices.
- **Vermicomposting and Organic Farming**: Hands-on experience in sustainable farming practices, including the preparation and management of vermicompost units.
- **Beekeeping and Mushroom Cultivation**: Exposure to allied agricultural activities that can enhance farmers' income.

Inauguration of ICT Lab

ICT Lab was inaugurated on 20th of May 2025 in the college. The ICT Lab is a dedicated space designed to integrate technology into the educational experience, fostering digital literacy and enhancing learning outcomes.

It serves as a language laboratory too where students and faculty can access an English learning software. A Language Laboratory is a specialized facility designed to enhance language learning by providing students with opportunities to practice listening, speaking, reading, and writing skills in an interactive environment.It serves as a hub where students can engage with audio-visual materials, participate in pronunciation drills and receive immediate feedback, thereby accelerating their language acquisition process.

Newspaper Publications

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com

मर्रा में निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली

मानव श्रृंखला बनाकर दिया मतदान जागरूकता का संदेश

रसायनिक खाद का उपयोग कम से कम करें -डॉ. वर्मा

मर्रा। भारत रत्न संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र मर्रा में आज विश्व मृदा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व मृदा दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा थे। उन्होंने कहा कि मृदा परीक्षण उपरांत ही उर्वरकों का प्रयोग खेतों में करना चाहिए। किसानों के अंधाधुंध उर्वरकों के उपयोग से बचना चाहिए और संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए, ताकि धन एवं मृदा की बर्बादी रुक सके। डॉ. वर्मा ने बताया कि मृदा की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने जैविक खाद के उपयोग करने की सलाह दी। अधिक से अधिक मात्रा में कार्बनिक खाद का उपयोग कर जैविक खेती की ओर बढ़ने की सलाह दिए। टपक सिंचाई से घुलनशील उर्वरकों का प्रयोग सब्जियों व फलों की खेती में करना चाहिए, ताकि भूमि में अधिक उर्वरकों के प्रभाव से होने वाले मृदा प्रदूषण को रोका जा सके। भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहे। कार्यक्रम में डॉ.नियती पाण्डेय तथा डॉ. तृप्ति ठाकुर ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के प्रभारी डॉ. आशीष तिवारी ने किया। इस अवसर पर डॉ. सीआर नेताम, डॉ. नीतू स्वर्णकार, डॉ. रेविन्द्र कुमार साहू, मैरी सुचिता खलखो, डॉ. किरण कुमार नागराज, डॉ. पूनम कुमारी, डॉ. रैना बाजपेई, डॉ. मंजू ध्रुव, डॉ. विनीता झोड़ापे, प्रवीण कुमार, हेमंत कुमार साहू, लगन चंद्राकर, श्रीमती मोनिका पैकुर, खिलेश्वरी साहू, सुरेश लोखंडे सहित महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

नवभारत 07/12/2024

कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र मर्रा पाटन में आयोजित किया गया प्रकृति परीक्षण

आईजीकेवी में जारी महोत्सव की श्रृंखला में बिखरे कला के रंग

मड़ई में लोकगीत, नृत्य और लघु नाटिका की मची धूम, रंगोली-पोस्टर मेकिंग में छोड़ी कला की छाप

कृषि महाविद्यालय मर्रा में आजादी का महापर्व हर्षोल्लास मनाया गया

कृषि महाविद्यालय मर्रा में मनाया गया एंटी रैगिंग सप्ताह, छात्रों को दिलाया गया संकल्प

कृषि महाविद्यालय मर्रा में गाजर घास उन्मूलन सप्ताह कार्यक्रम के तहत छात्रों को दिया जागरूकता का संदेश, स्वास्थ्य, पशु और खेती तीनों के लिए खतरनाक है गाजर घास:अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा

कृषि महाविद्यालय मर्रा में दीक्षा आरम्भ कार्यक्रम का आयोजन, विद्यार्थी अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिये अनुशासित जीवन अपनाएँ : अधिष्ठाता डॉ. अजय

पाटन (ट्रैक सीजी न्यूज/[illegible]) संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र मर्रा में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के निर्देशानुसार आज नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत दीक्षा आरम्भ का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम ऑनलाइन के माध्यम से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा आयोजित मुख्य कार्यक्रम में दीक्षा आरम्भ 2024-25 में महाविद्यालय के नव प्रवेशी छात्रों तथा शिक्षकों ने ऑन लाईन के माध्यम से जुड़कर भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ.गिरीश चंदेल तथा कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति का उद्बोधन सहित सुना गया। अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा ने सभी नव प्रवेशी छात्रों को तिलक लगाकर स्वागत किया। आगे डॉ. अजय वर्मा ने नई शिक्षा नीति 2020 की जानकारी दिया।

स्वच्छता सेवा कर्मियों का किया गया सम्मान

कृषि महाविद्यालय मर्रा में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का हुआ समापन

वैज्ञानिक विधि अपनाकर अंचल के किसान होगा समृद्ध-डॉअजय वर्मा..

वैज्ञानिक विधि अपनाकर अंचल के किसान होंगे समृद्ध-डॉ. वर्मा

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Raipur Ispat Bhoomi - 27 Jul 2024 - Page 3

कृषि महाविद्यालय मर्रा में किया पौधारोपण

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों का किया स्मरण

कृषि महाविद्यालय मर्रा में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को किया स्मरण , एक पेड़ माँ के नाम के तहत महाविद्यालय परिसर में किया वृहद वृक्षारोपण

खास खबरें....

कृषि महाविद्यालय मर्रा के छात्रों को दी गई कैरियर गाईडलाईन

पाटन (ट्रेक सीजी न्यूज/सतीश पारख) संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र मर्रा (पाटन) में आज मंगलवार को इन्दिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि प्रबंधन विभाग से आए डॉ. हुलास पाठक ने छात्र-छात्राओं को कृषि से संबंधित रोजगार के बारे में जानकारी देते हुए कृषि के क्षेत्र में व्यवसाय की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. पाठक ने बताया कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर से प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में छात्र छात्राएं कृषि की उपाधि लेकर रोजगार की तलाश में रहते हैं, लेकिन आज के समय में सभी छात्र को रोजगार उपलब्ध हो पाना संभव नहीं है। इसलिए ध्यान देने वाली बात यह है कि हर छात्र को कृषि से संबंधित व्यवसाय तलाश कर उस दिशा में सफलता स्थापित करने की ओर ध्यान देना चाहिए, ताकि हम 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरी तरह से हासिल कर पाएं। आगे डॉ. पाठक ने कहा कि इस तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में आने वाली पीढ़ी को रोजगार मांगने से बेहतर है, रोजगार देने वाले व्यक्ति बनकर, रोजगार के अवसर पैदा करें। इस दौरान कृषि महाविद्यालय मर्रा के अधिष्ठाता डॉ.अजय वर्मा ने छात्रों को स्वरोजगार के प्रति जागरूक करने की महत्ता को बताया। कहा की रोजगार तलाश करने बजाय, रोजगार के जरिया बनें। साथ ही छात्र-छात्राओं को कॅरियर गाइडेन्स देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह कार्यक्रम डॉ. सुशीला, डॉ. झरना चतुर्वेदानी तथा डॉ. प्रशांत चिंद्रेकर की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

स्वच्छता सेवा कार्मियों का किया गया सम्मान

कृषि महाविद्यालय मर्रा में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का हुआ समापन

कृषि कालेज मर्रा के विद्यार्थियों ने किसानों को किया जागरूक

पचौरिया ग्राम मटंग में किसानों व ग्रामीणों के साथ छात्र-छात्राएं। • वाहिंद बलराम यादव

नईदुनिया न्यूज, पाटन : संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय व अनुसंधान केंद्र मर्रा के बीएससी कृषि चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं ने रावे-रेडी उन्मुखीकरण कार्यक्रम पचौरिया ग्राम मटंग में किया। इस दौरान किसानों को विभिन्न जानकारी देते हुए जागरूक किया। अधिष्ठाता डा. अजय वर्मा के मार्गदर्शन व कार्यक्रम समन्वयक डा. रेविंद्र कुमार साहू के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने अभियान चलाया।

सहायक प्राध्यापक डा. नियती पांडेय ने किसानों को बताया कि ऐसे कीट भी होते हैं, जो किसान के मित्र कीट होते हैं, जिसे कीट परभक्षी कहते हैं। ये फसल को नुकसान पहुंचाने वाले कीट को खाते हैं। इसके अलावा प्रकाश प्रपंच, चिपचिपा प्रपंच के बारे में बताया। नई तकनीकों व प्राकृतिक तरीकों को अपनाकर किसान पर्यावरण को संतुलित बना सकते हैं। गांव में एक किसान घनश्याम पटेल के बाड़ी में जाकर मिर्ची व लहसुन का घोल बनाकर सब्जियों में छिड़काव किया, जिससे कीट के प्रकोप पर नियंत्रण पाया जा सकता है। कार्यक्रम में होमलाल वर्मा, संतोष साहू, सियाराम यादव, कुमार निर्मलकर, बिसंतीन हिरवानी, सुशीला साहू, गोदावरी चंद्राकर व छात्र-छात्राएं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय मर्रा में राष्ट्रीय संविधान दिवस पर संविधान की उद्देशिका का वाचन कर लिया गया शपथ

कृषि महाविद्यालय मर्रा के छात्रों ने मटंग के किसानों को मित्र कीट के फायदे बताये

उतई। संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र मर्रा के बीएससी कृषि चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं ने अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रेविन्द्र कुमार साहू के नेतृत्व में रावे, रेडी कार्यक्रम 2024-25 का उन्मुखीकरण कार्यक्रम मटंग में संचालित है। विदित हो सहायक प्राध्यापक डॉ. नियती पाण्डेय ने किसानों को बताया कि ऐसे कीट भी होते हैं, जो किसान के मित्र कीट होते हैं। इसे कीट परभक्षी कहते हैं, जो फसल को नुकसान पहुंचाने वाले कीट को खाते हैं। इसके अलावा प्रकाश प्रपंच, चिपचिपा प्रपंच के बारे में बताया। नई तकनीकों तथा प्राकृतिक तरीकों को अपनाकार किसान पर्यावरण को संतुलन बना सकते है। इस दौरान रावे के छात्रों ने कीटनाशक बनाने की विधि एवं महत्व को बताया। गांव के घनश्याम पटेल के बाड़ी में जाकर मिर्ची तथा लहसुन का घोल बनाकर सिब्जयों में छिड़काव किया। इससे होने वाले कीट के प्रकोप पर नियंत्रण पाये जा सकता है। इस अवसर पर होमलाल वर्मा, संतोष साहू, सियाराम यादव, कुमार निर्मलकर, बिसंतीन हिरवानी, सुशीला साहू, गोदावरी चंद्राकर व छात्र-छात्राएं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कार्यक्रम

बसंत पंचमी पर्व पर हुए विविध आयोजन

जगह-जगह मनाया गया बसंत पंचमी का पर्व

नवभारत रिपोर्टर । सेलूद।

भारत रत्न संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र मर्रा में सोमवार को बसंत पंचमी का पर्व मनाया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा ने विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा अर्चना की। तत्पश्चात महाविद्यालय के छात्रों ने सरस्वती वंदना किया। फिर बारी-बारी से सभी अधिकारी, कर्मचारियों ने पूजा अर्चना किया। इस दौरान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा ने कहा कि बसंत पंचमी जिसे सरस्वती पूजा के नाम से भी जाना जाता है। बसंत ऋतु की शुरुआत का प्रतीक है, और यह देवी सरस्वती को समर्पित है। यह नई शुरुआत के लिए एक शुभ दिन है, खासकर शिक्षा, कला और संगीत के क्षेत्र में आगे डॉ. वर्मा ने कहा कि अभी आने वाले कुछ दिनों में विद्यार्थियों की परीक्षा होने वाली है, बसंत पंचमी का त्योहार ज्ञान, विद्या और कला के महत्व को दर्शाता है। इस दिन लोग देवी सरस्वती की पूजा करते हैं और उनसे ज्ञान, बुद्धि और कला का आशीर्वाद मांगते हैं। यह त्योहार छात्रों, शिक्षकों, कलाकारों और संगीतकारों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

दीपशिखा विद्यालय में बंसत पंचमी पर्व मनाया

उतई। दीपशिखा विद्यालय उतई में बसंत पंचमी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुरोहित पं संतोष कुमार मिश्राने विधिवत मां सरस्वती की पूजा अर्चना की। मुख्य यजमान शिक्षण समिति के सचिव डीएल सिन्हा, प्राचार्य केआर सिन्हा अपने परिवार के साथ शामिल हुए। साथ में पूरा विद्यालय परिवार शिक्षक -शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी सम्मिलित होकर बुद्धि के दाता ज्ञान दायिनी मां शारदा से विद्यालय परिवार की सुख शांति एवं खुशहाली के लिए तथा व्यक्तिगत कामना पूर्ण करने प्रार्थना की। इस अवसर पर पं. मिश्रा ने बजरंग पाठ किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थियों के साथ पालक शिक्षक समिति के सदस्य तुलसी देवांगन, झरना हिरवानी एवं अन्य पालकगण उपस्थित थे।

नवभारत my city दुर्ग जिला

कृषि महाविद्यालय ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए कर्मचारियों का किया गया सम्मान

कृषि महाविद्यालय मर्रा में वार्षिक उत्सव एवं छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह

नवभारत रिपोर्टर । सेलूद।

संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र मर्रा में वार्षिक उत्सव एवं छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल थे। कार्यक्रम के अध्यक्षता महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा ने की। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, संचालक अनुसंधान सेवाएं, इंदिरा गांधी

वेतन भोगी तुला राम वर्मा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया गया। जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुशीला ने किया। कार्यक्रम में आभार वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सीआर नेताम ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम में डॉ. विजय जैन, डॉ. ए. कुरैशी, डॉ. दीपिका देवदास, ई. किनु किरण सिंह महिलांग, डॉ. मोहनिशा सिंह,

नवभारत my city दुर्ग जिला

डॉ. सेंगर ने कृषि कॉलेज मर्रा का किया निरीक्षण

पुस्तकालय एवं शैक्षणिक कार्यों की बड़ी सराहना

नवभारत रिपोर्टर । सेलूद।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के निदेशक (शिक्षण) डॉ. एसएस सेंगर ने आज संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, मर्रा का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. सेंगर ने परीक्षा शाखा, शैक्षणिक शाखा, परीक्षा कक्ष, पुस्तकालय एवं महाविद्यालय की विभिन्न प्रयोगशालाओं और अनुसंधान इकाइयों का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध कार्यों से जोड़ने के लिए आधुनिक तकनीकों का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए।

पुस्तकालय प्रदर्शनी का उद्घाटन

कृषि महाविद्यालय के पुस्तकालय में पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन डॉ. सेंगर ने

किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों और प्राध्यापकों को पुस्तकालय के महत्व और डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर जोर देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी और आधुनिक तकनीकों का समावेश, छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं और भविष्य के लिए बेहतर तैयार करने में सहायक होगा।

परीक्षा संचालन में कड़ाई के निर्देश

डॉ. सेंगर ने परीक्षा प्रभारी एवं सभी प्राध्यापकों को परीक्षा संचालन में पूर्ण अनुशासन एवं निष्पक्षता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इससे छात्रों को उनके वास्तविक ज्ञान और मेहनत का उचित मूल्यांकन मिल सकेगा। डॉ. सेंगर ने महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान गतिविधियों एवं प्राध्यापकों के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में छात्र ज्ञानार्जन के लिए मोबाइल और इंटरनेट पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। इससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने छात्रों को पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित करने एवं शारीरिक रूप से पुस्तकालय में अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. वर्मा ने कहा कि शिक्षकों को स्वयं पुस्तकालय और डिजिटल संसाधनों का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए।

आयोजन

कृषि महाविद्यालय मर्रा में राष्ट्रीय संविधान दिवस मनाया

भारत को एक लोकतांत्रिक देश बनाया-वर्मा

नवभारत रिपोर्टर । सेलूद।

भारत रत्न संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र मर्रा में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तहत राष्ट्रीय संविधान दिवस पर भारतीय संविधान के उद्देशिका का पाठन कर शपथ लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती तथा बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के तैलचित्र पर पूजा अर्चनाकर किया गया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा ने कहा कि आज ही दिन इसे 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया था। यह 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। इसको अंगीकृत किये जाने के समय, संविधान में 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं। इसमें लगभग 145,000 शब्द थे। इससे यह अब तक का अंगीकृत किया, जाने वाला सबसे लंबा राष्ट्रीय संविधान बन गया। भारत का संविधान एक ऐसा दस्तावेज है, जिसने भारत को एक लोकतांत्रिक देश बनाया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रैना बाजपाई ने किया। इस अवसर पर डॉ. नीतू स्वर्णकार, डॉ. मधुलिका सिंह, डॉ. अंजली वर्मा, डॉ. रेवेन्द्र कुमार साहू, डॉ. आशीष तिवारी, मेरी सुचिता, डॉ. किरण कुमार, डॉ. तृप्ति ठाकुर, डॉ. पूनम कुमारी, डॉ. मंजू ध्रुव, डॉ. विनीता झोड़ापे, प्रवीण कुमार, हेमंत कुमार, लुकेश कुमार महानन्द, तरुण चंद्राकर, खिलेश्वरी साहू, सुरेश लोखंडे सहित महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

किकिरमेटा में मनाया गया संविधान दिवस

जामगांव आर। भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था, डॉ. भीमराव आंबेडकर के 125वीं जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 को पहली बार संविधान दिवस सम्पूर्ण भारत में पहली बार मनाया गया। आज संविधान दिवस के नाम से 10 वर्ष पूरे हो गए। ग्राम किकिरमेटा के अमृत सरोवर किनारे संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर के तैलचित्र में पुष्प अर्पित कर संविधान दिवस की शुरुआत की गई। संविधान की शपथ ली गई। सरपंच नेतराम निषाद, सचिव नंद लाल साहू, उप सरपंच बिशेश्वर साहू, कंप्यूटर ऑपरेटर लेखपाल सिन्हा, रफीक खान, हेमंत शर्मा, उत्तम रिगरी, परसु राम, धनंजय यादव, गीता निषाद, डिगेश्वरी सिन्हा, गोमती निषाद, डिगेश्वरी यादव, दमशम चक्रधारी, उर्वशी चक्रधारी, तारिणी निषाद, डामिन यादव, सुमन निषाद, तिलेश्वरी साहू उपस्थित थे।

अक्षय तृतीया पर्व आभूषणों की खरीदारी के साथ, फसल बुआई की करते हैं शुरुआत

किसान ग्राम देवता व धरती माता की पूजा-अर्चना कर फसल लगाने लेते हैं अनुमति

कृषि महाविद्यालय मर्रा के छात्रों ने मटंग के किसानों को मित्र कीट के फायदे बताये

उतई। संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र मर्रा के बीएससी कृषि चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं ने अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रेवेन्द्र कुमार साहू के नेतृत्व में रावे, रेडी कार्यक्रम 2024-25 का उन्मुखीकरण कार्यक्रम मटंग में संचालित है। विषय हो सहायक प्राध्यापक डॉ. नियती पाण्डेय ने किसानों को बताया कि ऐसे कीट भी होते हैं, जो किसान के मित्र कीट होते हैं। इसे कीट परभक्षी कहते हैं, जो फसल को नुकसान पहुंचाने वाले कीट को खाते हैं। इसके अलावा प्रकाश प्रपंच, चिपचिपा प्रपंच के बारे में बताया। नई तकनीकों तथा प्राकृतिक तरीकों को अपनाकर किसान पर्यावरण को संतुलन बना सकते हैं। इस दौरान रावे के छात्रों ने कीटनाशक बनाने की विधि एवं महत्व को बताया। गांव के घनश्याम पटेल के बाड़ी में जाकर मिर्ची तथा लहसुन का घोल बनाकर सब्जियों में छिड़काव किया। इससे होने वाले कीट के प्रकोप पर नियंत्रण पाये जा सकता है। इस अवसर पर होमलाल वर्मा, संतोष साहू, शिवराम यादव, कुमार निर्मलकर, बिसंतीन हिरवानी, सुशीला साहू, गोदावरी चंद्राकर व छात्र-छात्राएं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

नवभारत 16/11/2024

अंतर महाविद्यालय खेलकूद : कृषि विद्यार्थियों ने जीते तीन स्वर्ण और नौ रजत पदक

नईदुनिया न्यूज, पाटन : इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के अंतर्गत पूर्वी जोन अंतरमहाविद्यालय खेल-कूद प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन कृषि महाविद्यालय रायपुर में हुआ। इसमें जोन के सात कृषि महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में भारत रत्न संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय व अनुसंधान केंद्र मर्रा पाटन ने शानदार प्रदर्शन किया।

विभिन्न स्पर्धाओं में कुल तीन स्वर्ण व नौ रजत पदक मर्रा की टीम ने हासिल किए।

प्रदर्शन से संस्था के अधिष्ठाता डा. अजय वर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं को सराहते हुए प्रोत्साहित किया। कहा कि हमारे इस नए महाविद्यालय ने अपने इतिहास में पहली बार इतना अच्छा प्रदर्शन किया और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कई महाविद्यालयों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए पूरे कालेज को गौरवान्वित किया।

बलराम यादव

ट्राफी के साथ कृषि महाविद्यालय मर्रा की टीम विजेता। • कालेज

मोर भुंईया के गुनगान

मोर भुंईया हे महान, करथव येकर गुनगान।
यहीं माटी म जनमे हव, मय करथव जी येकर गुनगान।
लहर– लहर लहरावत पूरवईया, करथे येकर बयान।
सुगघर महकत हे भुंईया ह, चमके खेत–खलियान।
सोन के चिरईया कहिथे, बढ़थे जी येकर मान।
छत्तीसगढ़ के पावन भुंईया मा जनमे हे वीर जवान।
मोती कस जिन्हा दिखथे माटी, छत्तीसगढ़ ओखर नाव।
बिहनिया ले चमकत हे, सुरुज के लाली।
मया के जेमा भरे हे मधु–रस, उहि छत्तीसगढ़ दाई के करत जी मय गुन–गान।
मोर भुंईया हे महान संगी, मोर भुंईया हे महान।।

वैशाली कश्यप
प्रथम वर्ष

छात्र जीवन

छात्र का जीवन एक अत्यंत महत्वपूर्ण और सामर्थ्य पूर्ण होता है, जो उनके भविष्य को निर्माण करने में मदद करता है। यह एक समझदार, संवेदनशील और सक्रिय विद्यार्थी के लिए अद्वितीय होता है। छात्र का जीवन शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित होता है, जो उन्हें नये ज्ञान व विचारों से अवगत कराता है। यह उनकी विकासशील सोच और समस्त दृष्टिकोण को बदलने में मदद करता है।

छात्र का जीवन न केवल शिक्षा बल्कि उनके आत्मनिर्भर और समर्थ बनाने का भी एक सफर है। इससे साथी छात्रों के साथ मिलकर काम करना, गुरुओं से सीखना और विभिन्न क्षेत्रों में अग्रसर होने का अवसर होता है। छात्रों का जीवन संघर्षो और सफलता के लिये मेहनत और समर्पण का परिचय करता है। यह एक सीखने और सुधारने की प्रक्रिया होती है, जो छात्र को एक बेहतर और सफल भविष्य की ओर बढ़ने में मदद करती है।

मुस्कान
प्रथम वर्ष

कहां खो गई वह शाम

कल – कल करते, लौटी पक्षी घरों में।
रुन–झुन बाजे घंटी, लौटी पशु अपने गौठानों में।
धीमी चलती पुरवाई, आये सब चौपलों में।
कल–कल बहती नदी, मल्हार गीत गाये नाव में।
बाजे मधुर शहनाई यहां, बना रहा बांसुरी अपने धुन में।
अब यहाँ मानवों का है जंगल, कहां खो गई वह शाम,
यहां है अब दंगल ही दंगल।।

श्रेया शिम्पी
द्वितीय वर्ष

मेरा बचपन

बचपन है ऐसा खजाना, आता है ना दोबारा
मुश्किल है इसको भुल पाना, वो खेलना कूदना और खाना,
बचपन है ऐसा खजाना आता है ना दोबारा,
माँ की ममता और वो पापा का दुलार
भुलाये ना भूले वह सावन की फुवार।
बचपन है ऐसा खजाना, आता है ना दोबारा,
वो कागज की नाव बनाना
वो बारिश में खुद का भीगना, वो झूले झुलना और खुद ही मुस्कराना।
बचपन है ऐसा खजाना, आता है ना दोबारा,
वो माँ का प्यार से मनाना
वो पापा के साथ घुमने के लिए जाना
बचपन है ऐसा खजाना, आता है ना दोबारा।।

मोनिका
प्रथम वर्ष

गुरु–शिष्य

गुरु बिना ज्ञान नहीं, शिष्य बिना गुरु नहीं।
दोनों मिलकर एक है, ज्ञान का प्रकाश फैलाते।
गुरु का ज्ञान है, शिष्य की जिज्ञासा है।
दोनों मिलकर प्रकाश करते, अंधकार को मिटाते।
गुरु है मार्गदर्शक, शिष्य है यात्री ।
दोनों मिलकर लक्ष्य तक पहुंचते, जीवन की यात्रा पूरी करते।
गुरु कृपा अपार, ज्ञान का सारा बांटे।
देश भक्ति में शिष्य, गुरु के चरणों में सांजे।

दीपक कुमार
प्रथम वर्ष

मंजिले दूर लगती हैं

कहुँ मैं किससे और कब तक कहता रहूँगा,
हँसु मैं कब तक और कब तक हँसता रहूँगा।
करूँ मैं क्या और कब तक करता रहूँगा,
चलूँ मैं कहाँ तक और कब तक चलता रहूँगाष।
मंजिलें है मेरी बहुत नजदीक,
फिर भी बहुत दूरी लगती हैं।
समय की रफ्तार निरंतर बढ़ रही हैं,
फिर भी मंद होती लग रहीं है।
क्यों, ऐसे में मैं क्या कर सकता हूँ,
यें मन मानता क्यों नहीं, तू कुछ तो कर।
कुछ भी सही करता जा, तेरी मंजिल दूर नहीं,
क्या पास होते हुए भी,
मेरी मंजिल मुझे दूरी लगती है।

पल्लवी चंदनिहा
द्वितीय वर्ष

माँ तुम्हारे लिए

मैं चाहता था कि एक खत लिखूँ तुम्हारे नाम पर और तुम्हें भेजूँ। मुझे पता है कि अगर वो खत तुम्हारे हाथ में होगा तो यकीनन तुम उस खत को भिगो दोगी। तुम्हारी आँखें मेरे शब्दों का बोझ नहीं सहन कर पाएंगी और पूरे खत को पढ़ते पढ़ते भिगो दोगी। लेकिन फिर भी लिख रहा हूँ मैं चाहता हूँ कि आखिरी बार ही सही कम से कम इस जिन्दगी में तुम्हें बता तो सकूँ कि क्या चाहता था मैं, क्या ख्वाहिशें हैं, चलो तो मैं तुम्हें बता दूँ कुछ...

तुम्हारा रहना किसी मन्नत की तरह था मेरे लिये

जब पहले पहले मुझे छोड़ के गई फिर अचानक से ख्वाबों की तरह आई और मेरे होश संभालने से पहले ही हमेशा के लिए कही गायब सी हो गई, लेकिन मेरी आरजू भी थी कहीं न कहीं दबी हुई पर ऐसे नहीं जैसे तुम आई। धीरे धीरे मुझे माँ का मतलब समझ आया... तुम्हें पता नहीं होगा लेकिन फिर भी बताना फर्ज है मेरा.. हर रोज सुबह सुबह तुम्हारी आवाज मुझे सुनाई पड़ती है। मोबाइल के कोरे स्क्रीन पर तुम्हारी फोटो दिखाई पड़ती हैं, लगता है कि तुम बोल रही हो कि उठ जा बेटा और कल रात के देर से आने पर गुस्सा भी हो। लेकिन हमेशा की तरह तुम्हारी सुबह के प्यारी सी मुस्कान सब ठीक कर देती है...

यमुना वर्मा
प्रथम वर्ष

मजबूत इरादे

यें आसमान छीन गया तो क्या?नया ढूंढ लेंगे, हम वो परिंदे नही जो उड़ना छोड़ देंगे।

मत पूछ, हौसले हमारे आज कितने विश्रब्द है, एक नई शुरुआत, नया आरम्भ तय है।

ये पतवार छूट गया तो क्या? नया सागर ढूंढ लेंगे, हम वो कश्तियाँ नहीं, जो तैरना छोड़ देंगे।

कदम चलते रहेंगे... जब एक श्वास है, परिस्थिति से परे स्वयं पर हमे विश्वास है।

एक रास्ता मिला नहीं तो, नई राह ढूंढ लेंगे, हम वो मुसाफिर नहीं जो चलना छोड़ देंगे।

ये मुकाम नहीं हासिल तो क्या?नये ठिकाने ढूंढ लेंगे, हम वो परिंदे नहीं जो उड़ना छोड़ देंगे।।

आयुषी आयाम
द्वितीय वर्ष

जनउला

(1) एक रुख म तीन ठी साग –– मुनगा
(2) तरी बटलोही उपर डंडा, नई जानही तेलापरही डंडा –––जिमी कांदा
(3) एकठन थारी में दुठन अंडा, एकगरम एक ठंडा –––सुरुज चंदा
(4) करिया बईला बैठेत् हे, लाल बईला भागत है––– आगी (आग)
(5) बत्तीस पीपर के एक्केच पत्ता––दाँत अउ जीभ
(6) जतके रोय ततके बोय ––मोमबत्ती
(7) कारी गाय करार म बईठे –––हड़िया
(8) आइठे गोइठे पार म बईठे ––पगड़ी
(9) 12 महीना के भात, हेरे के बेरा ताते तात ––घूरवा
(10) ए गोल गोल दिखे म लाल, लुगरा पहिने सौ पचास –––प्याज

कनिष्का वर्मा
प्रथम वर्ष

भगत सिंह

आजादी का एक दीवाना नाम भगत सिंह लिखता था,
गाँव के बांकी सारे बच्चों के जैसा ही तो दिखता था।
सब गुड्डे गुड़िया खेलते थे, उसको आजादी प्यारी थी,
भगत सिंह के मन में इंकलाब की दबी हुई चिंगारी थी।
उसकी आँखों के ही सामने तो जलियाँ वाला बाग हुआ,
जनरल डायर के आदेशो में कैसा खुनी फाग हुआ।
उस दबी हुई चिंगारी ने जन्म दिया एक ज्वाला को,
क्रांतिकारी बना भगत सिंह त्याग प्रेम की माला को।
सौन्डर्स को मारा बलिदानों की कसम भगत ने खायी थी,
किये धमाका सांसद में बहरों को गूंज सुनाई थी।
और भेजा गया जेल भगत सिंह को उलटी गोरो की चाल हुई,
और पहली बार फिर 116 दिन की भूखे हड़ताल हुई।
वो अड़ा रहा की जिसने सपने इंकलाब के देखे थे,
उस मूंछ के ताव के आगे घुटने अंग्रेजो ने टेके थे।
जो चाहा था भगत सिंह ने आखिर को अन्जाम हुआ,
तीनों को फांसी दी जाये कि कोर्ट में ये ऐलान हुआ।
23 मार्च का दिन आया ये भुमण्डल भी डोल उठा,
जेल का हर एक कोना उस दिन रंग दे बसंती बोल उठा।
देह छोड़ दी भगत सिंह ने बनके इबादत गूंज उठा,
इन्कलाब के नारों से सारा भारत गुंज उठा।

ईशान भोई
द्वितीय वर्ष

सुविचार

(1) किसी भी व्यक्ति के विचार ही सब कुछ है।
वह जैसा सोचता है, वह वैसा ही बन जाता है।

(2) ऐसे जियें की आपको कल मरना है और,
सीखे ऐसे जैसे आपको हमेशा जीवित रहना है। – **(महात्मा गांधी)**

(3) जब तक जीना तब तक सीखना,
अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।

(4) जैसे तुम सोचोगे, वैसा ही बन जाओगे,
खुद को निर्बल मानोगे तो, निर्बल
और सबल मानोगे तो सबल बन जाओगे! – **(स्वामी विवेकानंद)**

(5) जिँदगी को अपने दम में ही जी जाती है,
दूसरे के कंधो पर तो सिर्फ जनाजे उठाए जाते है। – **(भगत सिंह)**

संकलनकर्ता – **अंजली चेलक**
प्रथम वर्ष

प्रसिद्ध व्यक्तियों के उदाहरण

गौतम बुद्ध– गौतम बुद्ध के कार्यो में उनके उपदेशों, शिक्षाओं और बौद्ध धर्म की स्थापना शामिल है। उन्होंने बौद्ध संघ की स्थापना की।

धीरूभाई अंबानी– साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत से रिलायंस जैसी बड़ी कंपनी खड़ी की।

रतन टाटा– रतन टाटा ने ना केवल टाटा समूह को एक वैश्विक औद्योगिक नेता बनाया बल्कि परोपकार कार्यों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संकलनकर्ता–पायल सोनकर
प्रथम वर्ष

किसान का जीवन

धरती का सपूत हूँ, हल चलाने वाला,
मेहनत की चादर ओढ़े, पसीने में नहाने वाला।
सुबह की पहली किरण से, खेतों में जाता हूँ,
सूरज ढलने तक, फसलें उगाता हूँ।
मेरे हाथों की लकीरों में, मेहनत की रेखा है,
मेरे सपनों में भी, केवल हरियाली का लेखा है।
बरसात की बूँदें, जब धरती को छूती हैं,
मेरे दिल की धड़कनें, उससे जुड़ती हैं।
खेतों में अनाज उगाता हूँ, देश को खिलाता हूँ,
हर दाने में अपने, पसीने का स्वाद लाता हूँ।
मेरे जीवन की कठिनाइयाँ, कोई ना समझ पाएगा,
मेरे धैर्य और हिम्मत का, कोई मोल ना लगाएगा।
परिवार का पेट भरने की, एक ही तमन्ना है,
मेरे जीवन की यही, सच्ची साधना है।
देश की तरक्की में, मेरा भी योगदान है,
मैं हूँ किसान, यह मेरा अभिमान है।
मेरे हौंसले को सलाम, मेरी मेहनत को मान दो,
मेरे ख्वाबों को साकार करने, बस थोड़ा सम्मान दो।

शिव प्रसाद
द्वितीय वर्ष

किसान की मेहनत

पसीने से मोती छलकता है, धरती का सच्चा पूत वही,
जो हल की ताकत पहचानता है।
बंजर मिट्टी को जोत–जोत कर, हरियाली उसमें लाता है,
मेहनत के कण–कण से मिलकर, सोने से खेत सजाता है।
बारिश हो या आंधी आए, सर्दी की ठंडी रातें हों,
फिर भी वो न रुका करता, रखता खेतों से नाते हों।
गोद में धरती को रखता, बीजों की माला पहनाता है,
धरती माँ को पूजनीय मानकर, हर दाने में अमृत लाता है।
कभी सूखा, कभी बाढ़ें आईं, कभी ओलों की मार पड़ी,
पर कभी न उसने हार मानी, हर मुश्किल से वो लड़ पड़ा।
कभी बाजार में भाव गिरा, तो कभी कर्ज ने डसा उसे,
पर फिर भी मेहनत की उसने, कुदरत के रहमो–करम तले।
हे किसान, तेरा बल महान।।

नेहा मिंज
द्वितीय वर्ष

विद्यार्थी ज्ञान का दीपक

सपनों की दुनिया बसाएं जो, नए उजालों को पाए जो।
मेहनत जिसका धर्म है, वही सच्चा विद्यार्थी कहलाए जो।।
भोर से पहले उठकर जो, अक्षर–अक्षर सीखे है।
ज्ञान की राहों पर चलकर, अंधकार को मीटे है।।
पढ़ाई में हो सच्चा योद्धा, मुश्किल से ना घबराए जो।
हर असफलता को सीख समझकर, आगे कदम बढ़ाए जो।।
गुरु के वचनों को जो माने, सच्ची लगन दिखाए जो।
विद्या से जीवन रोशन कर, नई रोशनी फैलाए जो।।
परीक्षाएँ आएं, संकट घेरें, पर ना कभी वो डगमगाए।
किताबों को अपना मित्र बनाकर, हर बाधा को पार कर जाए।।
आलस्य से जो दूर रहे, समय का मूल्य जो जाने।
सच्चे मन से पढ़ाई करके, हर ऊँचाई को पहचाने।।
विद्या का सच्चा धन वही, जो केवल खुद तक ना रखे।
ज्ञान से जग को रोशन कर, हर ओर नई ज्योति बिखेरे।।
हे विद्यार्थी, बढ़ता चल, संघर्षों से ना घबराना।
ज्ञान की रोशनी से जग को, नवयुग का सूरज बनाना।।

रेणुका मौर्य
द्वितीय वर्ष

हमारा कृषि महाविद्यालय

ज्ञान का दीप जले जहाँ, खेतों की बातें हों जहाँ।
धरती से रिश्ता जुड़ जाए, ऐसा हमारा महाविद्यालय है वहाँ।।
कभी खेतों में शोध हो रहे, कभी प्रयोगशाला में ज्ञान बढ़े।
कभी नई तकनीकें सीखें, कभी हल की ताकत को पहचानें।।
नई तकनीकें अपनाकर, कृषि में सुधार करें।
किसानों की हो उन्नति, ऐसे शोध हम साकार करें।।
हम सिर्फ विद्यार्थी नहीं हैं, धरती माँ के सेवक हैं।
खेती की हर बारीकी सीखें, कृषि जगत के देवक हैं।।
मिट्टी की महक हमें भाए, फसलों का संगीत सुनाएँ।
हर खेत को उपजाऊ करके, देश को आत्मनिर्भर बनाएँ।।
प्रकृति का सम्मान करेंगे, जैविक खेती अपनाएँगे।
नवाचारों के संग मिलकर, खेती को ऊँचाइयों तक ले जाएँगे।।

पायल कुर्रे
प्रथम वर्ष

सबसे प्यारे कृषि प्रोफेसर हमारे

ज्ञान के दीप जलाने वाले, खेत–खलिहानों से हमें जोड़ने वाले।
कृषि की महिमा को जो समझाएँ, वो हैं हमारे गुरु सबसे न्यारे।।
मिट्टी का मोल हमें सिखाते, बीजों की बातें खूब बताते।
कभी प्रयोगशाला में ले जाकर, फसलों की पहचान कराते।।
कभी जल संरक्षण की बातें करें, कभी उर्वरकों की परख कराएँ।
हर सवाल का हल सुझाते, नई तकनीकों से हमें मिलाएँ।।
हल, मशीनें, ड्रोन दिखाकर, आधुनिक खेती सिखलाते।
हमारे कृषि प्रोफेसर जो हैं, हर ज्ञान से हमें संपन्न बनाते।।
बागवानी हो या मृदा विज्ञान, हर पहलू को समझाते हैं।
किसान हित की बातें कहकर, व्यवसायिक खेती सिखाते हैं।।
पानी का सदुपयोग करें कैसे, जैविक खादों का महत्व बताएँ।
फसलों की बीमारी हो अगर, तो उपचार हमें सिखाएँ।।
नई तकनीकों से खेती सुधारे, कम लागत में उत्पादन बढ़ाएँ।
हम भी एक सफल किसान बनें, ऐसा हौसला हमारे मन में जगाएँ।।

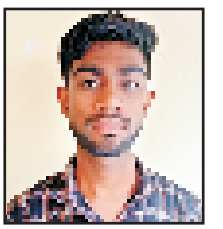

सुरेन्द्र पटेल
द्वितीय वर्ष

मित्रता जीवन का अनमोल उपहार

मित्रता है स्नेह की डोरी, जो दिलों को जोड़ती,
दुख–सुख की हर राहों में, सच्ची राहें मोड़ती।
कभी हंसी की गूंज बनती, कभी खुशी की बात,
कभी ग़म में संबल देती, बनती सच्ची सौगात।
जब दुनिया में कोई साथ न हो, मित्रता संग खड़ी,
हर कठिनाई, हर अंधेरे में, देती उजाले की झड़ी।
बचपन की नटखट यादों से, यौवन की उड़ान,
हर मोड़ पर संग रहती, मित्रता की पहचान।
सच्चे मित्र कभी दूर नहीं होते, चाहे समय बदल जाएं,
दिलों में रहती उनकी छवि, हर मौसम मुस्काएं।
मित्रता न कोई सौदा, न कोई व्यापार,
यह तो निस्वार्थ प्रेम है, सच्चे रिश्तों का आधार।

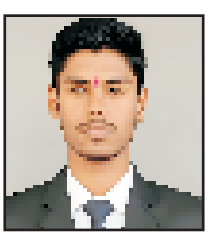

वेदांत वर्मा
द्वितीय वर्ष

संघर्ष और मेहनत

मेहनत करने में कभी भी आलस्य नहीं करना चाहिए। धैर्य और निरंतर प्रयास से ही सफलता प्राप्त होती है। असफलताओं से घबराने के बजाय उन्हें सीखने का अवसर समझना चाहिए। मेहनत का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। यदि आज हम मेहनत करते हैं, तो भविष्य में उसका अच्छा परिणाम अवश्य मिलेगा। मेहनत करने से जीवन में आने वाली कठिनाइयाँ आसान लगने लगती हैं। सफलता का असली आनंद वही व्यक्ति ले सकता है, जिसने इसके लिए कठिन परिश्रम किया हो। मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। जो व्यक्ति पूरी लगन और समर्पण के साथ मेहनत करता है, वह न केवल अपने जीवन में सफल होता है, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनता है। अतः हमें हमेशा ईमानदारी, मेहनत और धैर्य के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए, क्योंकि मेहनत का फल हमेशा मीठा होता है।

नंद कुमार
प्रथम वर्ष

एक शिक्षक की अहमियत – विद्यार्थी जीवन में

ज्ञान का दीप जलाते हैं, अंधकार को दूर भगाते हैं।
जीवन की राह दिखाने वाले, गुरु हमें सही पथ पर लाते हैं।।
पहली बार जब स्कूल जाते, डर से दिल घबराते हैं।
माँ की गोद से दूर निकलकर, शिक्षक ही हमें संभालते हैं।।
अक्षर–अक्षर लिखना सिखाया, गिनती, पहाड़े समझाया।
जोड़े, घटाएं, गुणा बताकर, संख्याओं का खेल सिखाया।।
गुरु हैं वो जो दिशा दिखाते, हर संकट में हमें थामते।
सपनों को ऊँचाई देते आसमान तक उड़ना सिखाते।।
पढ़ाई ही नहीं, हमें सिखाया, संस्कारों का पाठ पढ़ाया।
सच बोलने की हिम्मत दी, ईमानदारी का अर्थ बताया।।
हार न मानो, धैर्य रखो, हर असफलता से सीख लो।
ये मंत्र हमें दिया उन्होंने, आत्मबल का दीप जलाया।।
कलम पकड़ना सिखाया, सोच को गहराया।
हर प्रश्न का हल दिखाया, हर मुश्किल को सरल बनाया।।

तृप्ति शिखा बंजारे
प्रथम वर्ष

धरती माता का आँचल

हरी–भरी वसुंधरा प्यारी, जन–जन की यह माता हमारी।
गोद में अपनी सबको रखती, प्यार से जीवन जल में भरती।।
फूल खिलाती, अन्न उगाती, नदियाँ बहाकर हमें नहलाती।
पर्वत, जंगल, नदियाँ न्यारी, धरती माता सबसे प्यारी।।
चिड़ियों की चहचहाहट जिसमें, हवा भी गाए गीत।
धरती माँ की महिमा देखो, हर रंग है इसमें रीत।।
धुआँ–धुआँ अब आकाश हुआ है, नदियों का भी नाश हुआ है।
धरती माँ की पीड़ा देखो, कैसा यह विनाश हुआ है।।
आओ मिलकर कसम ये खाएँ, धरती को फिर से स्वच्छ बनाएँ।
पेड़ लगाएँ, जल बचाएँ, हरी–भरी फिर इसे बनाएँ।।
नदियों में फिर अमृत बहाएँ, हवा को निर्मल फिर से बनाएँ।
धरती माँ की गोद सजेगी, जीवन में खुशबू फिर आएगी।।
धरती माता का सम्मान करें, हरियाली से इसे महान करें।
संभालें इसे हम प्यार से, रखें सुरक्षित हर उपहार से।।

खेमलता मंडावी
प्रथम वर्ष

मोह और माया

मोह अंधा होता है, सत्य से परे ले जाता है।
माया के पीछे भागने वाला अंत में खाली हाथ रह जाता है।।
सिर्फ धन–संपत्ति के पीछे भागने से जीवन में संतोष नहीं मिलता।
जिसे माया का नशा चढ़ जाए, उसे सत्य नहीं दिखता।।
माया में फंसा व्यक्ति अपनी सच्ची जिम्मेदारियों को भूल जाता है।
पाप से कमाया धन सुख नहीं देता।
अनैतिक तरीकों से कमाया हुआ धन अंततः दुख ही लाता है।।
गलती को स्वीकारना ही प्रायश्चित का पहला कदम है।
अपने अपराध को मान लेना ही सुधार की शुरुआत है।।
पाप को धोने के लिए पुण्य का मार्ग अपनाना पड़ता है।
गलतियों को सुधारने के लिए अच्छे कर्म करने पड़ते हैं।।
जो गिरकर संभल जाए, वही सच्चा इंसान है।
गलती करने के बाद उसे सुधारने वाला ही महान होता है।।

परमेश्वरी वर्मा
प्रथम वर्ष

बचपन और बचपन की शरारतें

नन्हे हाथ, सपनों का जहान, मिट्टी में खेलते, बेफिक्र इंसान।
न चिंता, न डर, न कोई मलाल, हर दिन था जैसे कोई नया गुलाल।।
कभी बारिश में भीगते हम, कभी पतंगों संग उड़ते हम।
हर गली में हंसी की गूंज, बचपन की बातें, वो मीठी धुन।।
दीवारों पर चित्र बनाते थे, कागज़ की नावें बहाते थे।
छुप–छुप के आम चुराते थे, माँ की डाँट भी सह जाते थे।।
गुब्बारों से खेलना भाता था, सख्त किताबों से जी घबराता था।
कभी स्कूल से भाग जाया करते, फिर मासूम बनकर मुस्काया करते।।
आज भी वो गली बुलाती है, जहाँ हर खुशी मुस्काती है।
वो मिट्टी की खुशबू, वो कंचों के खेल, अब भी दिल को लुभाते हैं बेलगाम मेल।।
बचपन तो बीत गया चुपके से, पर यादें संजो रखी हैं दिल के कोने में।
काश फिर से वही दिन आ जाते, हम हंसते, मचलते और बेफिक्र हो जाते।।

हर्षिता चंद्राकर
तृतीय वर्ष

जीवन में माँ–पिता का महत्व

माँ के आँचल में सारा जहाँ, उसकी ममता से चलता आसमान।
जब गिरते हैं हम, वो थाम लेती है, अपने आँसू छुपाकर, हँसती रहती है।।
रातों को जागे, लोरी सुनाए, अपने हाथों से रोटियाँ बनाए।
हमारी हँसी में, उसकी खुशी, हमारे दर्द में, उसकी बेबसी।
बिना कहे सब समझ जाती, हर मुश्किल से हमें बचाती।
माँ के बिना अधूरा जीवन, वो है खुद में भगवान का स्वरूप पावन।
पिता है वो छाँव घने पेड़ की, जो धूप में खुद जलता रहा किसी मेड़ की।
खुद भूखा रहा कई बार, पर हमारे लिए जुटाया हर उपहार।
पसीने से अपने सपने संवारता, मुश्किलों में भी कभी न हारता।
राह दिखाए, हाथ पकड़ ले, हर संकट में ढाल बन खड़ा रहे।
माँ–पिता का प्यार अमृत समान, जिससे मिलता हर वरदान।
उनकी दुआओं से चलता जहाँ, उनके चरणों में बसा है भगवान।
जीते जी करो उनका सम्मान, रखो सदा उनकी बातों का मान।
क्योंकि माँ–पिता का प्यार जो पाया, उसने जीवन का सार समझ आया।

हर्षित वर्मा
प्रथम वर्ष

योग और ध्यान पर अनमोल विचार

- योग शरीर को मोड़ने की कला नहीं, बल्कि मन एवं आत्मा को जोड़ने की प्रक्रिया है।
- योग वह प्रकाश है, जो एक बार जला दिया जाए तो कभी बुझता नहीं, जितना अभ्यास करेंगे, प्रकाश उतना ही तेज होगा।
- योग का अभ्यास मन को शांत, शरीर को स्वस्थ और आत्मा को संतुलित करता है।
- योग कोई धर्म नहीं, बल्कि एक विज्ञान है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को सिखाता है।
- जब हम अपने भीतर के अस्तित्व को जान लेते हैं, तभी हम जीवन की सच्ची शक्ति को पहचान पाते हैं, यही योग है।
- योग का सही अर्थ है, स्वयं से स्वयं की यात्रा है।
- योग वह कला है, जिससे आप अपने भीतर छुपे अनंत आनंद का अनुभव कर सकते हैं।
- स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, योग स्वास्थ्य का सबसे सुंदर माध्यम है।
- ध्यान मन की वह स्थिति है, जहाँ विचार शांत होकर आत्मा की गहराइयों में उतर जाते हैं।
- अगर आप अपने विचारों को नियंत्रित कर सकते हैं, तो आप अपने भाग्य को भी नियंत्रित कर सकते हैं, यह ध्यान की शक्ति है।
- शांति बाहर नहीं, भीतर खोजने की चीज़ है और ध्यान ही इसका माध्यम है।
- ध्यान का अभ्यास करो, क्योंकि जब मन शांत होगा, तब हर समस्या का हल स्वयं मिल जाएगा।
- ध्यान वह दर्पण है जिसमें आत्मा अपना असली स्वरूप देखती है।
- अगर जीवन में सच्ची शांति चाहिए, तो प्रतिदिन कुछ क्षण अपने भीतर झांकने के लिए निकालो, यही ध्यान है।
- ध्यान करने से मन और मस्तिष्क की ऊर्जा बढ़ती है, जीवन में स्पष्टता और आनंद आता है।
- मन की चंचलता को रोककर आत्मा से जुड़ने की प्रक्रिया ही ध्यान है।

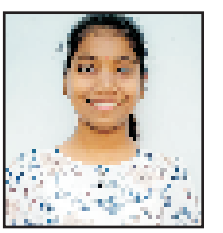

मीनाक्षी साहू
प्रथम वर्ष

सच्चे दोस्त, मजेदार पल

सच्चे दोस्त होते हैं अनमोल रतन, साथ उनके हर पल बन जाए सुनहरी कहानी।
हँसी में झलकती है उनकी प्यारी याद, दुख के बादल भी हो जाएं जैसे मिट्टी की बात।।
मिलते हैं जब वो, छा जाता है जहाँ, हर ग़म छुप जाता है, बस हँसी हो वहाँ।
मज़ाक़ में झगड़ा हो, फिर मनाना है बड़ी बात, दोस्ती में यही तो है असली सौगात।।
चाय की चुस्की और गप्पों की बारात, उनके बिना लगता है कुछ अधूरा सा साथ।
सच्चे दोस्त वही जो दिल से समझें, बिना कहे भी हर बात पर साथ चलें।।
मज़ेदार पल जो साथ गुज़ारे हम, बन जाएं यादें, हो दिल के गुम।
सच्चे दोस्त, वो हैं जीवन की खुशियाँ, उनके संग ही पूरी होती ये ज़िंदगी की तस्वीरें।।

गिरजा शंकर साहू
द्वितीय वर्ष

कलम की ताक़त

कलम चलती है काग़ज़ पर, बोलती नहीं, फिर भी असर करती है।
शब्दों में ढलकर जो निकले, सोई हुई सोचें भी जगाती है।।
न तलवार है, न कोई हथियार, फिर भी बदल देती है दुनिया के विचार।
सच को आवाज़ देती है ये, झूठ के पर्दे हटा देती है।।
एक छोटी सी नोक से निकली स्याही, कभी क्रांति, कभी प्रेम कहानी।
कभी आँसू, कभी मुस्कान लिखे, कलम से ही इंसान लिखे।।
सम्मान है उस हाथ को, जो कलम को ज़िम्मेदारी समझे।
क्योंकि कलम ही तो वो ताक़त है, जो इतिहास के पन्नों को दिशा दे।।

विरेन्द्र कोर्रम
द्वितीय वर्ष

दादी की यादें

धूप में छाँव सी, सर्दी में रजाई सी,
मिठास से भरी, वो गुड़ की मिठाई सी।
हर कहानी में जादू, हर बात में प्यार,
उनके आँचल में छुपा था, मेरा सारा संसार।
रात को तारे गिनवाना, परियों की कहानियाँ,
उनकी गोद में बीते, बचपन की रवानियाँ।
माथे पर उनका हाथ, जैसे सुकून की हवा,
उनकी हँसी, जैसे मंदिर में बजता हुआ घण्टा।
अब भी जब थक जाता हूँ इस भागती ज़िन्दगी में,
दादी की आवाज़ सुनाई देती है, थोड़ा रुक जा, बेटा...

जान्हवी मनहरे
तृतीय वर्ष

टिफिन की मिठास

टिफिन साथ मेरा चलता है, कॉलेज के हर दिन भर देता है।
पढ़ाई के बीच जब भूख लगे, प्यार भरा खाना थमाता है।।
फ्रेंड्स के साथ जब बैठता हूँ, टिफिन से खुशबू फैलती है।
माँ के हाथों का वो स्वाद, हर थाली में मिठास लाती है।।
कभी नमकीन, कभी मिठाई, टिफिन में खुशियाँ बसाई।
कॉलेज की भीड़ में जब भी थक जाऊँ, टिफिन से जोश पाऊँ।।
टिफिन है मेरा छोटा संसार, जो देता है ऊर्जा हर बार।
कॉलेज की राह में मेरा साथी, टिफिन मेरा सबसे प्यारा साथी।।

कुशाल वर्मा
द्वितीय वर्ष

पन्ना जो बोलता है...

मैं एक साधा सा कागज़ का पन्ना हूँ, सपनों की कहानियाँ मुझमें सजा हूँ।
कभी मैं कविता बन जाता हूँ, तो कभी कोई गाना गुनगुनाता हूँ।।
मेरे ऊपर शब्दों का संसार है, जहाँ खुशियाँ भी, कभी प्यार है।
मैं कभी दाग भी सह जाता हूँ, तो कभी आँसू भी देख पाता हूँ।।
छात्रों के हाथों में मैं चमकता हूँ, उनकी मेहनत का साथी बनता हूँ।
हर परीक्षा, हर सवाल मेरा हिस्सा है, मेरी ताकत उनका भविष्य है।।
मैं छोटा हूँ, पर मुझमें है जादू, जहाँ लिखा है ज्ञान का आगाज यूँ।
मैं हूँ वो कागज़ का पन्ना प्यारा,जिसमें बसता है जीवन का सहारा।।

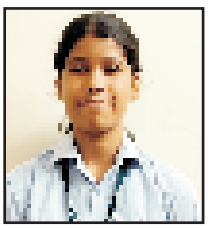

निधि कंवर
प्रथम वर्ष

धरती की पुकार; जैविक खेती का उपहार

मिट्टी बोले, मुझे न दुखा, रसायन से मुझको मत सजा।
गोबर, कम्पोस्ट, प्रकृति का ही ये नेहनत है।
बीज देशी, पानी बचाओ, कीटनाशक घर में बनाओ।
नीम–लहसुन का छिड़काव हो, धरती माँ का उपचार हो।
जैविक फसलें शुद्ध बनें, सच्चे स्वाद से पेट भरें।
न रसायन, न रोग यहाँ, बस सेहत का संयोग यहाँ।
पर्यावरण भी खुश रहे, किसान का मन भी हर्ष भरे।
जैविक खेती अपनाएँ सब, हर खेत बने एक हरित अरब।

दुष्यंत वर्मा
तृतीय वर्ष

छत्तीसगढ़ी कृषि कहावतें

- जेकर खेती, तेकर गाँव मा बड़ बात कहि जाथे।
  अर्थ: जिसकी खेती अच्छी होती है, वही गाँव में सम्मान पाता है।
- खेती ल छोड़ देबे त भूखों मरबे।
  अर्थ: अगर खेती छोड़ दोगे तो खाने को कुछ नहीं बचेगा।
- अकाल मा जिनगी, बिन पानी खेती नइ होवय।
  अर्थ: जैसे बिना जीवन के कुछ नहीं, वैसे ही खेती बिना पानी के नहीं होती।
- जेकर हल, तेकर बल।
  अर्थ: जिसके पास खेती के लिए हल हैं, वही सच्चा ताकतवर है।
- धान अउ पानी, किसान के जान।
  अर्थ: धान और पानी ही किसान की असली ज़िंदगी हैं।
- पानी बरसय त सोना, नइ बरसय त कोना?
  अर्थ: अगर बारिश सही समय पर हो, तो फसल सोना जैसी होती है, नहीं तो सब बेकार।
- हल जोते बिना धरती माँ झन फूटे।
  अर्थ: बिना मेहनत के धरती भी कुछ नहीं देती।

कुलदीप वर्मा
तृतीय वर्ष

माँ सब जानती है

मैं चुप था, मगर वो समझ गई, मेरे चेहरे से दिल पढ़ गई।
ना कुछ कहा, ना कुछ सुना, पर माँ हर बात जान गई।।
खिलौने टूटे, सपने भी, माँ ने सबसे पहले देखे थे।
मैं हँसने की कोशिश करता, पर आँसू उसने पहले देखे थे।।
मैं थक कर लौटा जब घर, दरवाज़ा पहले माँ ने खोला।
बोलती कम थी, सुनती ज्यादा,हर दर्द को उसने ही तोला।।
कभी डाँटा, कभी समझाया, गलतियों पर प्यार जताया।
माँ गुस्सा नहीं होती थी, बस थोड़ी देर के लिए चुप हो जाती थी।।
अब जब मैं दूर हूँ उससे, हर बात अधूरी लगती है।
कितनी भी भीड़ हो आस–पास, फिर भी माँ की कमी सी लगती है।।

पुष्पा सिंह
तृतीय वर्ष

अनुशासन और विद्यार्थी

अनुशासन का अर्थ है, नियमों का पालन करना, समय का सदुपयोग करना और जीवन में एक निश्चित दिशा में आगे बढ़ना। विद्यार्थी जीवन अनुशासन के बिना अधूरा होता है। अनुशासन ही वह आधार है जो किसी भी विद्यार्थी को सफलता की ओर अग्रसर करता है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व होता है क्योंकि यह उनके भविष्य की नींव रखता है।

अनुशासन का शाब्दिक अर्थ होता है, नियमों का पालन करना और अनुशासित जीवन जीना। यह जीवन में एक महत्वपूर्ण गुण है, जो व्यक्ति को सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। अनुशासन से व्यक्ति में संयम, आत्म–नियंत्रण और धैर्य जैसे गुण विकसित होते हैं। विद्यार्थियों मे अध्ययन, व्यवहार और चरित्र निर्माण में सहायक होता है।

अनुशासन के बिना किसी भी व्यक्ति या समाज की उन्नति संभव नहीं है। यह कथन अनुशासन के महत्व को स्पष्ट करता है। अनुशासन न केवल व्यक्तिगत जीवन को बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन को भी उन्नत बनाता है।

अभिषेक कुमार
प्रथम वर्ष

हिंदी भाषा पर प्रेरणादायक उद्धरण

- हिंदी केवल शब्दों का समूह नहीं, यह हमारी संस्कृति और संस्कारों का प्रतीक है। – **सुमित्रानंदन पंत**
- हिंदी हृदय की भाषा है, यह हमें जोड़ती है और भावनाओं को व्यक्त करती है। – **हरिवंश राय बच्चन**
- हिंदी की सेवा ही देश की सेवा है। – **भारतेंदु हरिश्चंद्र**
- अगर देश को सशक्त बनाना है, तो हिंदी को अपनाना है। – **सुभाष चंद्र बोस**
- राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा होता है। – **महात्मा गांधी**
- हिंदी हमारी राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान है। – **डॉ. राजेंद्र प्रसाद**

संकलनकर्ता– **भूमिका मरकाम**
प्रथम वर्ष

NSS and NCC: The Spirit of Service and Discipline

With open hearts and willing hands,
We walk together across the lands,
A mission strong, a duty true,
To serve the world in all we do

Not me, but you we proudly say,
For selfless service lights our way,
Helping hands and smiling face,
Lifting lives with love and grace

From teaching young to cleaning streets,
We dance to service, hearts upbeat,
In every corner, far and near,
We spread kindness, hope and cheer,

For unity and discipline, we stay,
The tricolor shines in grand display,
In air, in sea, on land we tread,
With courage high and vision ahead

Side by side, both paths we choose,
With pride and passion, we refuse to lose
One in service, one in might,
Both together shape the light

NSS with kindness, hearts that give,
NCC with valor, lives we live
A nation strong, both hands in play,
Guiding India, come what may

We rise, we serve, we lead and we fight,
For justice, love, and truth so bright,
For every youth who dares to dream,
NSS and NCC—our guiding beam

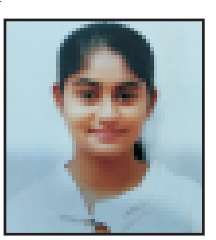

Ruchi Chandrakar
B.Sc. Ag. (Hons.)1st yr

Love for My Country

The Beauty of My Land, land of mine, so vast and free,
With rivers deep and mountains high to see.
Fields of gold and forests green,
A place so pure, so serene.

The morning sun kisses the sky,
As birds take flight and dreams fly high,
Every village, every street,
Holds a story, warm and sweet.

From deserts hot to snowy peaks,
My country's soul forever speaks.
In every heart, its love does shine,
O precious land, forever mine.

The tricolor waves so bold and bright,
A symbol of hope, a guiding light,
With every color, a tale is told,
Of courage, peace and hearts of gold.

O my country, my mother dear,
For you, I'll stand with pride and cheer,
To build, to serve to always strive,
To keep your spirit strong and alive.

No hate shall darken our bright way,
No greed shall ever lead astray,
With truth and love, with hope so high,
We'll touch the stars, we'll reach the sky.

Forever yours, my heart will stay,
Through night and dawn, come what may,
O land of mine, so vast and free,
You are my soul, my destiny.

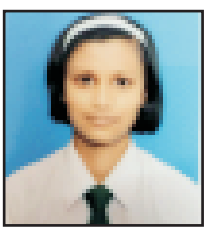

Drishti Nirmalkar
B.Sc. Ag. (Hons.)1st yr

Thoughts on Achieving Goals

- A goal without a plan is just a wish- Success begins when you take the first step with full determination.
- Success is not about how fast you reach your goal, but how consistent you remain on the journey.
- Your dreams will remain dreams unless you take action- Every small step counts toward the bigger picture.
- When the road seems tough, remember why you started. That reason will push you forward.
- Your mind will always have two voices, one telling you to give up and the other urging you to push forward. Always listen to the second one.
- Challenges are not barriers; they are tests to see how badly you want to achieve your goal.
- There are no shortcuts to success, hard work; persistence and patience are the true keys to achievement.
- Obstacles are those frightful things you see when you take your eyes off the goal.
- Every failure is a step closer to success, keep moving forward.
- Doubt kills more dreams than failure ever will.
- The only true failure is giving up, as long as you keep going, you are making progress.
- Keep your eyes on the goal, not on the distractions.
- If you want to achieve great things, you must first believe you can.
- Believe in yourself even when no one else does, your belief is your biggest strength.
- The secret to success is to never lose hope, even in the darkest moments.
- Your goal is your responsibility, don't wait for motivation & create it.
- The only limit to your success is the one you set in your mind.
- Be so committed to your goal that nothing can distract you from it.
- The journey may be difficult but the reward is always worth it.
- Success begins at the end of your comfort zone.
- Stop waiting for the perfect moment, start where you are with what you have.
- Dreams come true for those who work while others are sleeping.
- You don't have to be great to start, but you have to start to be great.
- Take risks, make mistakes but keep moving forward, action leads to success.
- If you want something, go after it with all your heart. No excuses, just action.

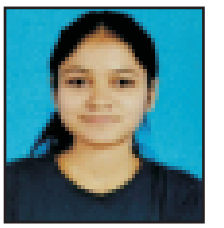

Sakshi Sahu
B.Sc. Ag. (Hons.)1st yr

The Fungal Waltz

In the moon light woods where shadows sway,
The fungi gather in a mystic ballet,
A waltz unseen by human eyes,
A dance of life beneath the skies.

A web of life, the mycelial thread,
In cosmic trails, far and wide they spread.
Through soil and root, they softly creep,
Binding life's tapestry in secrets deep.

In dampened earth, they find their home,
A cozy nook, a fertile dome.
They decompose, they recycle old,
In nature's grandeur, their story told.

Cellulose and lignin yield to their touch,
As mushrooms emerge from dampened soil,
They break down the stubborn and the tough so much,
Metabolizing them with sheer toil.

Their enzymes dance, a biochemical show,
Turning organic matter into loam below.
From fallen logs to leafy floors,
Fungi work behind closed doors.

Beneath the forest's green cathedral,
Mycorrhizal networks stretch with fervour and zeal.
They barter with trees, exchanging whispers:
"Trade your sugars for phosphorus, that's the deal."

The humble button, white and unassuming,
Gracing our pizzas and our salads,
Yet harbouring a world of flavour,
A culinary delight that dances on our taste buds.

Beyond decay, their powers soar,
In healing arts, they offer more.
Medicines ancient, potions divine,
In fungi's kingdom, cures align.

Sanchita Patra
B.Sc. Ag. (Hons.)1st yr

Nature's beauty

The Whispering Forest
The trees stand tall, their whispers light,
A gentle hush in golden light.
Leaves like secrets, softly sway,
Telling stories of the day.

Mossy carpets, emerald bright,
Glow beneath the pale moonlight.
Streams that dance and sing with cheer,
Carry dreams both far and near.
Birds compose their morning tune,
Greeting dawn embracing noon.

Nature hums in perfect rhyme,
A timeless song beyond all time.
Ocean's Embrace
Waves embrace the golden shore,
A rhythmic pulse forever more.

Foam & kissed sands, so smooth and wide,
Echo whispers of the tide.
The sky and sea in hues entwine,
Blending blue in shades divine.
Seagulls waltz with salty air,
Riding breezes light and fair.

Beneath the waves, a world unseen,
Coral towers, lush and green.
Nature's touch, both fierce and free,
A boundless dance of sky and sea.

Shresth Shukla
B.Sc. Ag. (Hons.)1st yr

संत विनोबा भावेः एक महान स्वतंत्रता सेनानी

संत विनोबा भावे का पूरा नाम विनायक राव भावे था। 11 सितंबर 1895, गागोदा, महाराष्ट्र मे इनका जन्म हुआ। विनोबा भावे एक महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, संत और गाँधीवादी विचारक थे। उनका जीवन सादगी, सेवा और सत्य के सिद्धांतों पर आधारित था। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के पिछड़े और गरीब वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। वे बचपन से ही मेधावी थे और उन्होंने विद्यार्थी जीवन में गणित तथा संस्कृत जैसे विषयों का विशिष्ट अध्ययन कर लिया था। उन्होंने अपनी माता जी की प्रेरणा से आजीवन अविवाहित रहकर देश–सेवा की ओर प्रवृत्त होने का संकल्प धारण किया था। उनपर महात्मा गांधी जी का अत्यंत प्रभाव था। उन्होंने गांधीवादी बनने के लिए सत्य और अहिंसा के सिद्धांत को मूल आधार बनाया।

उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित होकर स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। उन्हें गांधी जी ने "आध्यात्मिक उत्तराधिकारी" कहा था। संत विनोबा भावे ने भू–दान आंदोलन के माध्यम से करोड़ों एकड़ ज़मीन गरीबों को दिलवाई एवं सर्वोदय आंदोलन अंतर्गत संत विनोबा भावे ने गाँधीजी के सिद्धांत सभी का उदय, सभी का कल्याण को आगे बढ़ाया। उनके लिए समाज में कोई भी व्यक्ति अनावश्यक नहीं था; हर किसी का जीवन मूल्यवान था।

विनोबा भावे ने सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह को जीवन का मूल मंत्र माना। उनका मानना था कि समाज में वास्तविक परिवर्तन आत्मिक परिवर्तन से आता है। वे भूदान, ग्रामदान, और संपत्ति–दान के द्वारा देश में एक सकारात्मक क्रांति लाने के लिए प्रयत्नशील रहे। वे भारतीय दर्शन में गहरी आस्था रखते थे। गीता प्रवचन (भगवद गीता की सरल व्याख्या) एवं विचार पोष (नैतिक और सामाजिक चिंतन पर आधारित लेख) उनकी रचनाएँ रही। 15 नवंबर 1982, पवनार आश्रम, वर्धा, महाराष्ट्र मे उन्होने अंतिम सांस ली। मरणोपरांत, 1983 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। हमें गर्व है कि हमारे महाविद्यालय का नाम संत विनोबा भावे के नाम पर संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र मर्रा, पाटन रखा गया है।

डॉ. अजय वर्मा

अधिष्ठाता

मेरे पिताजी की डायरी से...

3 जनवरी 2025 को मेरे पिताजी नहीं रहे।
उनकी डायरी में संकलित कुछ अंश जो
मुझे लगता है कि हम सभी के लिए प्रेरणादायक है
जो इस प्रकार प्रस्तुत है...

पिता

पिता एक उम्मीद है एक आस है।
परिवार की हिम्मत है एक विश्वास है।।
बाहर से सख्त अंदर से नर्म हैं।
पिता संघर्ष की आँधी में हौसलें की दीवार है।।
परेशानियों से लड़ने की दो धारी तलवार है।
बचपन में खुश करने वाला खिलौना है।।
नींद लगे तो पेट पर सुलाने वाला बिछौना है।
सपनों को पूरा करने वाली जान है।
इन्हीं से तो माँ और बच्चों की पहचान है।।

"आपके नाम से जानें जाते
हैं हम
पापा
अब इससे बड़ी इज्जत क्या
होगी मेरे लिए"

आशियाना

चेहरे की चमक और घर की,
ऊँचाईयों पर मत जाना।
घर के बुजुर्ग अगर,
मुस्कुराते मिलें तो समझना
अमीरों का
आशियाना है....।

गौतम बुद्ध के विचार

तुम सिंह के सामने जाते हुये
भयभीत मत होना,
यह पराक्रम की परीक्षा है।
तुम तलवार के सामने सर झुकाने में
भयभीत मत होना
यह बलिदान की कसौटी है।
तुम पर्वत शिखर से पाताल में
कूद पाना
यह तप की साधना है।
तुम बढ़ती हुई ज्वालाओं में
विचलित मत होना,
यह स्वर्ण परीक्षा है
पर शराब से सदा भयभीत रहना
यह पाप एवं अनाचार की जननी है।

डॉ. अजय वर्मा
अधिष्ठाता

छत्तीसगढ़ के सुंदरता और संस्कृति

छत्तीसगढ़ माटी के गाथा, सोनहा धान के सुवासे बाता।
नदिया–नरवा, जंगल–पहाड़, हमर छत्तीसगढ़ के अनुपम छाँव।
महुआ के गंध, तेंदू के पान, गोंड–बैगा संग संवरय किसान।
नाचा गम्मत, कर्मा के तान, संगवारी मन संग मचाय हुल्लड़ महान।
ये माटी हमन ल सब ला भुलाय नई सकन,
छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया, इही नारा हम गुनगुनाय।
किसान के हांथी सोनहा धान, श्रमिक के मेहनत, बढ़े पहचान।
लोहे के चकरी, बिजली के धारा, हमर छत्तीसगढ़ बनय उजियारा।
मजदूर के खून, जियान के कहानी, संघर्ष के राह, सपन संग रवानी।
रायपुर से बस्तर, सरगुजा के रंग, सब मिल के गावे, एकता के संग।
मेहनत के जलवा, अब सब झलके, हमर छत्तीसगढ़ अब नवा राह पकड़े।
जय जोहार हमर धरती मईया, तोर माटी ल हम करथन।

ई.के.के.एस. महिलांग
सहायक प्राध्यापक

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ की शान है जो, कृषि का गौरवगान है जो।
ज्ञान की गंगा जहाँ बहे, ऐसा अनुपम स्थान है जो।।

इंदिरा गाँधी नाम से जुड़ा, कृषि जगत का ताज यही।
खेती के हर रंग को जाने, नवाचार की आवाज यही।।

मिट्टी की महिमा को समझाए, बीजों के रहस्य बताए।
जल, भूमि, फसल, विज्ञान, हर विद्यार्थी को सिखलाए।।

प्रयोगशालाएँ नित नई, तकनीकों की खोज यहाँ।
खेती को नवदृष्टि देने, हर छात्र सशक्त यहाँ।।

कभी बीजों का अध्ययन होता, कभी जल संरक्षण की बात।
कभी उन्नत खेती की खोज, कभी जैविक पद्धति पर बात।।

किसानों की हर समस्या का, समाधान यहाँ निकाला जाए।
फसल हो अधिक, लागत हो कम, ऐसी राहें सुझाई जाएँ।।

मिट्टी की महक में बसकर, हर शोध सफल बनाया जाए।
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, नए युग की राह दिखाए।।

हे विश्वविद्यालय! तुझे नमन, ज्ञान, परिश्रम की पहचान है।
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, भारत की खेती की जान है।।

डॉ.रैना बाजपेयी
सहायक प्राध्यापक

हमारा आधुनिक कक्षा कक्ष

ज्ञान की नई रोशनी है, नवीन तकनीक की सजी धनी है।
किताबों से अब आगे बढ़कर, स्मार्ट कक्षा की नई कहानी है।।

सफेद दीवारों पर चमके परदे, डिजिटल स्क्रीन दिखाए ज्ञान।
पुरानी पद्धति से आगे बढ़े, टेक्नोलॉजी बने पहचान।।

ई–पुस्तकें, वीडियो लेक्चर, ऑनलाइन टेस्ट का नया संसार।
शिक्षा अब सीमित न रही, हर कोने में फैला आधार।।

गूगल, यूट्यूब, प्रेजेंटेशन से, हर पाठ सरल बनाया जाए।
हमारी यह आधुनिक कक्षा, भविष्य की राह दिखाए।।

अब नहीं बस किताबों तक सीमित, इंटरनेट से जुड़े सब साधन।
प्रयोगशाला भी डिजिटल बन गई, ज्ञान की उड़ान का संगम।।

अब प्रोजेक्टर पर विषय पढ़ते, वीडियो से हर संकल्प सुलझाएँ।
ई–लर्निंग का नया दौर है, दुनिया के संग कदम मिलाएँ।।

घर बैठे अब पढ़ सकते हैं, ऑनलाइन कक्षाएँ सजती हैं।
हमारा आधुनिक कक्षा कक्ष, नई शिक्षा की परिभाषा रचती है।।

बटन दबाकर उत्तर मिले, इंटरनेट से जुड़े सवालों के हल।
क्लासरूम अब सीमाओं से मुक्त, ज्ञान का प्रवाह बना सरल।।

ऑनलाइन असाइनमेंट, टेस्ट भी डिजिटल, हर विषय को सरल बनाए।
अब न रटने की जरूरत पड़े, समझकर पढ़ाई कराए।।

नवाचार की यह पाठशाला, भविष्य का निर्माण करे।
हमारा आधुनिक कक्षा कक्ष, हर विद्यार्थी को तैयार करे।।

डॉ. विनिता झोड़ापे
सहायक प्राध्यापक

छत्तीसगढ़ राज्यः अतुल्य गाथा

भूमिका

छत्तीसगढ़ भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर और खनिज संपदा के लिए प्रसिद्ध है। यह राज्य 1 नवंबर 2000 को मध्य प्रदेश से अलग होकर भारत का 26 वॉ राज्य बना। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर है, जो राज्य का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण शहर भी है।

छत्तीसगढ़ का भौगोलिक परिचय

छत्तीसगढ़ देश के मध्य भाग में स्थित है और इसे भारत का धान का कटोरा भी कहा जाता है। राज्य की सीमाएँ उत्तर में उत्तर प्रदेश, उत्तर–पश्चिम में मध्य प्रदेश, पश्चिम में महाराष्ट्र, दक्षिण में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पूर्व में ओडिशा से लगती हैं। राज्य का कुल क्षेत्रफल लगभग 135,192 वर्ग किलोमीटर है, जो इसे भारत के बड़े राज्यों में से एक बनाता है।

छत्तीसगढ़ का इतिहास

छत्तीसगढ़ का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह क्षेत्र कभी दक्षिण कौशल के नाम से प्रसिद्ध था और रामायण एवं महाभारत काल में इसका उल्लेख मिलता है। यह क्षेत्र कई शासकों के अधीन रहा, जिनमें कलचुरी वंश, मराठा शासक और ब्रिटिश शासक प्रमुख थे। 1956 में इसे मध्य प्रदेश का हिस्सा बना दिया गया, लेकिन 1 नवंबर 2000 को इसे एक स्वतंत्र राज्य का दर्जा मिला।

छत्तीसगढ़ की जलवायु

यहां की जलवायु उष्णकटिबंधीय है, जिसमें गर्मी, बारिश और सर्दी तीनों ऋतुएँ प्रमुख रूप से देखी जाती हैं। गर्मी का मौसम मार्च से जून तक रहता है, जिसमें तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मानसून जून से सितंबर तक रहता है, जब यहां अच्छी वर्षा होती है। सर्दी का मौसम अक्टूबर से फरवरी तक रहता है, जिसमें ठंडक रहती है और तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराएँ

छत्तीसगढ़ की संस्कृति अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण है। यहां के लोकनृत्य, लोकगीत, पारंपरिक पहनावे और त्यौहार राज्य की पहचान हैं।

लोकनृत्य– छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकनृत्य पंथी, सुआ, राउत नाचा और कर्मा हैं।

लोकगीत– राज्य में सोहर, बिहाव, और ददरिया जैसे लोकगीत प्रसिद्ध हैं।

पारंपरिक पहनावा– पुरुष धोती–कुर्ता पहनते हैं, जबकि महिलाएँ साड़ी और लुगड़ा पहनती हैं।

प्रमुख त्यौहार– छत्तीसगढ़ में हरेली, पोला, तीजा, दिवाली, और होली प्रमुख त्यौहार हैं।

छत्तीसगढ़ की भाषा– छत्तीसगढ़ की प्रमुख भाषा छत्तीसगढ़ी है, जो हिंदी की एक उपभाषा है। इसके अलावा, हिंदी, गोंडी, हल्बी, और संथाली भाषाएँ भी यहां बोली जाती हैं।

छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था– राज्य की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि,खनन,उद्योगों पर निर्भर है।

कृषि– यह राज्य भारत का धान का कटोरा कहलाता है, क्योंकि यहां बड़े पैमाने पर धान की खेती होती है। इसके अलावा, गन्ना, मक्का, तिलहन और दलहन की भी खेती होती है।

खनिज संपदा– छत्तीसगढ़ खनिजों से समृद्ध राज्य है। यहां कोयला, लोहा, बॉक्साइट, और डोलोमाइट जैसे खनिज पाए जाते हैं।

उद्योग– यहाँ भिलाई स्टील प्लांट, एनएमडीसी, एसईसीएल और बल्क ड्रग पार्क जैसे कई बड़े उद्योग स्थापित हैं।

छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थल– छत्तीसगढ़ में कई प्राकृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। चित्रकोट जलप्रपात, इसे भारत का नियाग्रा फॉल कहा जाता है। तीरथगढ़ जलप्रपात, यह बस्तर जिले में स्थित एक सुंदर जलप्रपात है। गिरौधपुरी धाम, यह संत गुरु घासीदास की जन्मभूमि है। कुटुमसर गुफाएं, यह भारत की सबसे लंबी गुफाओं में से एक है। डोंगरगढ़, यह माँ बम्लेश्वरी देवी का प्रसिद्ध मंदिर है।

छत्तीसगढ़ की राजनीति और प्रशासन

छत्तीसगढ़ में एक विधानमंडल है, जिसमें 90 विधानसभा सीटें, 11 लोकसभा सीटें और 5 राज्यसभा सीटें हैं। राज्य में सरकार का नेतृत्व मुख्यमंत्री करते हैं। रायपुर राज्य की राजधानी है और यहाँ उच्च न्यायालय बिलासपुर में स्थित है।

छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था

राज्य में शिक्षा के विकास के लिए कई संस्थान कार्यरत है। राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में कई योजनाएँ चला रही है, जिससे साक्षरता दर में वृद्धि हो रही है।

छत्तीसगढ़ में वन और पर्यावरण

छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत भाग वन क्षेत्र से ढका हुआ है। यहाँ साल, सागौन, तेंदू, और बाँस के जंगल अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। राज्य में कई वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान हैं, जिनमें इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान, उदंती–सीतानदी टाइगर रिजर्व, और कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं।

छत्तीसगढ़ की प्रमुख नदियाँ

- महानदी– यह छत्तीसगढ़ की जीवनरेखा मानी जाती है।
- शिवनाथ नदी– यह महानदी की एक सहायक नदी है।
- इंद्रावती नदी– यह बस्तर क्षेत्र से बहती है।
- हसदेव नदी– यह कोरबा और सरगुजा जिलों से होकर गुजरती है।

छत्तीसगढ़ के प्रमुख व्यक्ति

छत्तीसगढ़ से कई प्रसिद्ध व्यक्तित्व जुड़े हैं, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दिया है।

- स्वामी विवेकानंद, रायपुर में उनका बचपन बीता था।
- गुरु घासीदास, उन्होंने सतनाम पंथ की स्थापना की।
- अटल बिहारी वाजपेयी जी भले ही वे मध्य प्रदेश से थे, लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य के गठन में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।
- पंडित सुंदरलाल शर्मा, वे एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे।

डॉ. पूनम कुमारी
सहायक प्राध्यापक

समाज सेवा का का अनमोल रत्न, रतन टाटा

1. अगर आप तेज चलना चाहते हैं तो अकेले चलिए, लेकिन अगर आप दूर तक चलना चाहते हैं तो साथ चलिए।
2. जीवन में ऊंच नीच होना बहुत जरूरी है, ताकि हम आगे बढ़ते रहें, क्योंकि एक ईसीजी में भी सीधी लाइन का मतलब ये होता है कि हम जिंदा नहीं हैं।
3. मैं वर्क–लाइफ बैलेंस में यकीन नहीं करता। मैं वर्क–लाइफ इंटीग्रेशन में विश्वास रखता हूं। अपने काम और जीवन को सार्थक बनाइए।
4. लोहे को कोई चीज तबाह नहीं कर सकती, लेकिन इसका खुद का जंग कर सकता है। इसी तरह एक व्यक्ति को उसकी खुद की सोच के अलावा कुछ भी बर्बाद नहीं कर सकता है।
5. मैं सही निर्णय लेने में यकीन नहीं करता। मैं फैसला करता हूं और फिर उसे सही बनाता हूं।
6. हमें कभी भी अपनी जड़ें भूलनी नहीं चाहिए। हम जिस जगह से आते हैं, उसपर हमें हमेशा गर्व होना चाहिए।
7. सफलता को कभी अपने दिमाग में घुसने मत दो और हार को कभी अपने दिल में बसने मत दो।
8. एक दिन आपको ये एहसास होगा कि भौतिक वस्तुओं का कोई मतलब नहीं है। जो चीज मायने रखती है वो है उन लोगों का खुश और स्वस्थ रहना जिनसे आप प्यार करते हैं।
9. जीवन का सबसे बड़ा जोखिम है जोखिम नहीं लेना। एक ऐसी दुनिया जो तेजी से बदल रही है, यहां फेल होने की एक ही रणनीति है– रिस्क नहीं लेना।
10. इस इंतजार में न रहें कि अवसर आप तक आएंगे, अपने खुद के अवसर बनाएं।

संकलनकर्ता– डॉ. किरण नागराज
सहायक प्राध्यापक

एक वैज्ञानिक, एक मिसाइल मैन, एक राष्ट्रपतिः डॉ. कलाम का जीवन–संग्राम

डॉ. अबुल पक़ीर जैनुलआबदीन अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक मध्यमवर्गीय मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनके पिता एक नाविक थे और जीवन बहुत साधारण था, लेकिन उन्होंने कठिन परिश्रम, ईमानदारी और अनुशासन के बल पर ऊँचाइयों को छुआ। बचपन से ही वे पढ़ाई में बहुत रुचि रखते थे। उन्होंने भौतिकी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और बाद में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) में काम किया। वे भारत के मिसाइल कार्यक्रम के जनक माने जाते हैं और उन्हें "मिसाइल मैन ऑफ इंडिया" कहा जाता है।

डॉ. कलाम ने पोखरण परमाणु परीक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे और पूरे देश में जनता के राष्ट्रपति के रूप में प्रसिद्ध हुए। उन्होंने अपना पूरा जीवन युवाओं को प्रेरित करने, शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने और राष्ट्र निर्माण में समर्पित किया। 27 जुलाई 2015 को शिलॉन्ग में एक व्याख्यान के दौरान उनका निधन हो गया। उनका जीवन सादगी, मेहनत और देशभक्ति की मिसाल है। वे आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, एक महान वैज्ञानिक, राष्ट्रभक्त, शिक्षाविद् और सच्चे मानव थे। उनका जीवन सादगी, ज्ञान, प्रेरणा और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल है। वे भले ही अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार और योगदान हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

मैरी सुचीता खल्खो

सहायक प्राध्यापक

छत्तीसगढ़ की शान भिलाई स्टील प्लांट

भिलाई स्टील प्लांट भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के भिलाई शहर में स्थित एक प्रमुख इस्पात संयंत्र है, जिसकी स्थापना 1955 में हुई थी और इसका उत्पादन कार्य 1959 में शुरू हुआ। यह भारत का पहला मुख्यधारा का इस्पात संयंत्र था जिसे सोवियत रूस की मदद से स्थापित किया गया था। भिलाई स्टील प्लांट का मुख्य उद्देश्य देश की इस्पात उत्पादन क्षमता बढ़ाना और रक्षा, निर्माण, रेलवे, तथा ऑटोमोबाइल जैसे उद्योगों की मांग को पूरा करना है। यह प्लांट फुल हार्ड ब्लास्ट फर्नेस तकनीक का उपयोग करता है और भारी तथा मध्यम इस्पात उत्पादों का उत्पादन करता है। इसके उत्पादों में रेल लाइन, तार, स्टील प्लेट्स, शाफ्ट्स, और वेल्डिंग इलेक्ट्रोड्स शामिल हैं, साथ ही यह रक्षा क्षेत्र के लिए विशेष स्टील भी तैयार करता है। यह संयंत्र स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के अंतर्गत आता है, जो भारत की सबसे बड़ी सरकारी इस्पात निर्माता कंपनी है।

भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना 1955 में सोवियत संघ की सहायता से हुई थी, और 1959 में इसका उत्पादन कार्य शुरू हुआ। संयंत्र की आधुनिकता और विस्तार के बाद, इसकी उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। संयंत्र ने 2025 में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। 22 फरवरी 2025 को भिलाई इस्पात संयंत्र ने एक दिन में 18,037 मीट्रिक टन हॉट मेटल का उत्पादन करके नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह रिकॉर्ड केवल चार ब्लास्ट फर्नेस का उपयोग करके प्राप्त किया गया, जो संयंत्र की उच्च उत्पादन क्षमता और दक्षता को दर्शाता है ।

संयंत्र ने NTPC & SAIL पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड (NSPCL) के साथ मिलकर मरोदा–1 जलाशय में 15 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए समझौता किया है, जो वर्ष 2026 तक चालू होने की उम्मीद है। यह परियोजना संयंत्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को हरित ऊर्जा स्रोतों से पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

हेमंत साहू

शाखा प्रभारी

The Importance of Libraries

A library is more than just a collection of books. It is a temple of knowledge and a gateway to wisdom. It provides access to vast information, nurtures a habit of reading and serves as a quiet place for learning and research. Libraries have been essential throughout history, preserving cultural heritage and advancing human civilization.

In today's digital age, some may question the relevance of libraries. However, libraries are irreplaceable as they offer structured and credible knowledge, unlike the vast and often unreliable information available on the internet. They promote literacy, encourage critical thinking and create a disciplined environment for intellectual growth.

Libraries are not just for students or scholars; they serve everyone from young learners to researchers from professionals to the elderly. They provide resources for education, entertainment and professional development making them a crucial part of any society.

Libraries house a diverse collection of books, journals, newspapers and digital resources. They provide access to authentic and well researched information, helping individuals expand their knowledge beyond textbooks.

Libraries create a habit of reading, which improves vocabulary, comprehension and cognitive skills. Reading regularly enhances imagination, creativity and analytical thinking.

In today's technological world, many libraries have adapted to digital learning. Online catalogues, audiobooks and virtual study rooms have made education more accessible, ensuring that libraries remain relevant in the digital era.

Libraries are the foundation of an educated and informed society. They not only provide knowledge but also shape minds, foster creativity and promote lifelong learning. Whether in physical or digital form, libraries will always remain a valuable asset to individuals and communities.

A library is not just a building with books; it is a treasure trove of knowledge, a guide for personal growth and a bridge to a brighter future. Therefore, we must continue to support and utilize libraries to keep the flame of learning alive.

Dr. Manju Dhruw
Assistant Professor

A Path to Growth and Learning

Examinations are an essential part of a student's life. They are not just about marks and grades but serve as a test of knowledge, perseverance and discipline. Many students fear exams, considering them stressful and challenging. However, if we change our perspective, exams can be seen as an opportunity to assess our progress and improve ourselves.

The word "examination" comes from the idea of self evaluation. It allows students to measure their understanding of subjects and recognize areas where they need improvement. Just as a mirror reflects our image, exams reflect our academic performance and intellectual growth.

Instead of treating exams as a burden, one should see them as stepping stones to success. They teach us valuable skills such as time management, problem & solving and patience. When approached with a positive mindset; examinations become a means of self improvement rather than a source of fear.

Many students experience exam anxiety, worrying about failure or under performance. However, fear only grows when we lack preparation or confidence, The best way to overcome exam fear is through systematic study and self belief.

Dr Anjali Verma
Assistant Professor

Dr. Ajay Verma Sir: A Guiding Light in Our College

The Pillar of Discipline and Knowledge

A college is not just a building of classrooms and libraries; it is a temple of learning, where students are shaped into responsible individuals and at the heart of our institution stands a leader, a mentor, and an inspiration—Dr. Ajay Verma Sir, our esteemed Dean.

Dr. Verma is not just an administrator. He is the guiding force behind every student's academic and personal growth, with a vision for excellence and a firm belief in discipline. He has transformed the educational environment of our college. His presence commands respect, not out of fear, but out of admiration for his unwavering dedication.

He walks through the corridors with a purpose, his sharp eyes noticing every detail. For some, he might appear strict, but those who truly understand him know that his discipline comes from a place of care. His goal is not just to enforce rules but to instil values that will help students in every step of their lives.

A Leader with a Vision

Great leaders are those who inspire change and Dr. Ajay Verma Sir is a true example of such leadership. Under his guidance, our college has seen remarkable progress in academics, extracurricular activities and overall student development.

He believes in holistic education, where students are not just confined to textbooks but are encouraged to explore, question and innovate. Whether it is through organizing academic seminars, cultural events or career counselling sessions. He ensures that every student gets an opportunity to grow.

His speeches are not just words; they are lessons in themselves. He often says "Discipline and knowledge go hand in hand. A well & disciplined mind is capable of achieving the impossible" These words resonate with every student and faculty member, reminding us that success is built on a strong foundation of hard work and integrity.

Despite his authoritative position, he is always approachable. He listens to students concerns, guides them with patience and motivates them to strive for excellence. His door is always open for those who seek advice, making him not just a dean, but a mentor and a friend.

Gratitude and Inspiration

It is rare to find a leader who can balance discipline with kindness, authority with understanding and rules with flexibility. Dr. Ajay Verma Sir embodies all these qualities and more. His impact on the lives of students and faculty members is immeasurable.

As an assistant professor, I have had the privilege of working under his leadership and I have witnessed firsthand how his dedication has shaped the future of countless students. He has taught us that education is not just about grades but about becoming a responsible and ethical human being.

To our respected Dean, Dr. Ajay Verma Sir, we extend our deepest gratitude. Your vision, hard work and unwavering commitment inspire us every day. The lessons you have imparted will continue to guide generations of students, shaping them into leaders of tomorrow.

May your journey of inspiring and educating continue and may you always remain the guiding light of our college. With deepest respect and admiration.

Dr. Vinita Zhodape
Assistant Professor

Significance of Mushroom Production in Today's World

In the twenty-first century, the cultivation of mushrooms has become a fast-expanding agricultural industry with enormous potential. Previously regarded as a special food, mushrooms are now well known for their environmental, medical, and nutritional advantages. Their production has important ramifications for economic growth, commercial innovation, rural upliftment, and global food security.Growing knowledge of the health advantages of mushrooms is one of the factors propelling their cultivation. They are low in fat and calories, mushrooms are high in proteins, minerals, antioxidants, vitamins (particularly B-complex and D), and dietary fiber. They are prized for their therapeutic qualities and are increasingly suggested as a meat substitute in plant-based diets. Varieties like Shiitake, Reishi, and Lion's Mane are known for boosting immunity, fighting inflammation and even supporting brain health.

Mushrooms have gained attention due to public health campaigns and growing customer desire for sustainable and organic food options. Growing mushrooms is a low-investment, high-yield business that can bring in a sizable sum of money, particularly for small and marginal farmers. It is economical and environmentally benign because it uses agricultural waste items like straw, sawdust, and husks as substrates, requires little space, and can be cultivated all year round. The mushroom market has been steadily expanding on a global scale.

Mushroom production has become an opportunity for entrepreneurship, especially for women and young people. Individuals can start small-scale production with little financial investment due to the comparatively low entry barriers. New commercial opportunities are being created by innovations including ecological packaging materials, snack products manufactured from mushrooms, and dietary supplements.

Furthermore, mushroom agriculture supports waste management and promotes circular economy principles by using by-products of the agriculture and food industry. With the additional income and employment, it brings improvements in nutrition, education, and overall lifeform components.

Thus, in present status mushroom production can be considered as multidimensional practices for health promotion, economic development, business innovation and rural transformation. Governments, NGOs and the private sector should continue to invest in research, training and infrastructure to fully utilize this white gold potential in agriculture.

Dr. Raina Bajpai
Assistant Professor

Year Wise List of Pass Out Students of CARS, Marra

Academic Year - 2022-23

SUSHANT SHARMA

ANIRUDH TIRKEY

DEEPIKA SAHU

DEEPIKA PAINKRA

DIVYA DHANGAR

DURGESH GUPTA

HAMRAJ SINGH

JEETENDRA KUMAR

JITENDRA CHOUDHARY

JOHNSON BANJARE

KIRAN YADAV

KRITIKA BHARDWAJ

NAVEENYADAV

NISHANT THAKUR

PRAVEEN MIRRE

RAHUL PRATAP

RAHUL DEV KASHYAP

SHREYA G RATHOUR

TASHU BHAGAT

TIKENDRA DEWANGAN

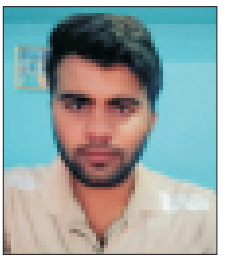

VIKRAM SINGH RAJPUT

Year Wise List of Pass Out Students of CARS, Marra

Academic Year - 2023-24

AADARSH MERAVI

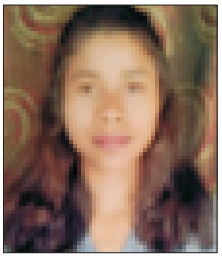
ANITA PAINKRA

BHUSHANKANT

GITANJALI DEWANGAN

GOWRI SAJEEV

JIGYASA HIRWANI

KAVITA VERMA

LOKESHWARI NETAM

NAMITA

NANDKISHOR

NIKHIL SAHU

PARVATI PAIKARA

PRAJJAVAL SAHU

PREETI DEWANGAN

RUPESH KUMAR

SAKSHI VERMA

SAPNA MARKAM

SHIKHA BANCHHOR

SHUBHAM YADAV

SUNANDITA TANDAN

THANU CHANDRAKAR

YASHU SAHU

Year Wise List of Pass Out Students of CARS, Marra

Academic Year - 2024-25

CHAIN SINGH

KARAN KUMAR NAG

NIDHI

PRANJALI TAMRAKAR

RUPALI MESHRAM

DEVYANI VERMA

AMAN KURREY

ANKIT JAISWAL

CHHAYA

DIKSHA SHIWARE

DIVYA RANI PATEL

LEENA SAHU

MUSKAN NISHAD

NAINA EKKA

PRACHI NIKUNJ

PURNIMA BHARDWAJ

RITESH KUMAR

SAVITA NISHAD

SURENDRA KUMAR

बालक छात्रावास

कन्या छात्रावास

कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र
मर्रा (पाटन), जिला-दुर्ग (छ.ग.)-491221
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)
संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र
मर्रा (पाटन) जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)